www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 दिल्ली चुनाव में महिला वोटरों की उदासीनता... 3 सिवान के लाल आशुतोष की किताब का पद्मभूषण... 4 प्रदेश सरकार द्वारा हर क्षेत्र और हर वर्ग के हित...

वर्ष: 9 | अंक: 95 | दिल्ली, बुधवार, 29 जनवरी 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

38वें राष्ट्रीय खेलों का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया उद्घाटन

देश में खेलों का एक खूबसूरत गुलदस्ता तैयार हो रहा है जिसमें हर मौसम में फूल खिलते हैं: प्रधानमंत्री मोदी

(एजेन्सी)।

उत्तराखंड। उत्तराखंड की धार्मिक विरासत और जैव विविधता का झलक पेश करते रंगारंग उद्घाटन समारोह के साथ 38वें राष्ट्रीय खेलों का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। इस प्रतियोगिता के तहत 32 खेलों में लगभग 10 हजार खिलाड़ी पदक जीतने के लिए चुनौती पेश करेंगे। खेल 14 फरवरी तक चलेंगे और देहरादून में मुख्य आयोजन स्थल सहित इस पहाड़ी राज्य के सात शहरों में स्पर्धाओं का आयोजन किया जाएगा। लगभग 450 स्वर्ण पदक और इतनी ही संख्या में रजत और कांस्य पदक दांव पर हैं।

अपने संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देवभूमि आज युवा ऊर्जा से और दिव्य हो उठी है। बाबा केदार, बद्रीनाथ जी, मां गंगा के शुभाशीष के साथ आज नेशनल गेम्स शुरू हो रहे हैं। ये वर्ष उत्तराखंड के निर्माण का 25वां वर्ष है। इस युवा राज्य में देश के कोने-कोने से आए हजारों युवा अपना सामर्थ्य दिखाने वाले हैं। उन्होंने कहा कि 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की बहुत सुंदर तस्वीर यहां दिख रही है। नेशनल गेम्स में इस बार भी कई देशी और पारंपरिक खेलों को शामिल किया गया है। इस बार के नेशनल गेम्स एक प्रकार से ग्रीन गेम्स भी है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश में खेलों

का एक खूबसूरत गुलदस्ता तैयार हो रहा है जिसमें हर मौसम में फूल खिलते हैं, लगातार टूर्नामेंट होते हैं। उन्होंने कहा कि जब कोई देश खेल में आगे बढता है तो देश की साख भी बढती है और प्रोफाइल भी बढता है। उन्होंने कहा कि हॉकी में पुराने गौरवशाली दिन वापिस लौट रहे हैं , हमारी खो-खो टीम ने विश्व कप जीता है, गुकेश ने विश्व शतरंज चैम्पियनशिप जीती जिससे दुनिया हैरान रह गई। उन्होंने कहा कि मैं इस राष्ट्रीय खेल के आयोजन के लिए सीएम धामी और उत्तराखंड के लोगों को बधाई देना चाहता हूं। हम अपने एथलीटों के लिए अवसर पैदा कर रहे हैं ताकि वे अपने कौशल में सुधार कर सकें। खेला इंडिया यूथ गेम्स के कारण युवा एथलीटों को अपनी प्रतिभा दिखाने के नए अवसर मिले हैं।

मोदी ने कहा कि आज देश में कई टूर्नामेंट्स आयोजित किए जा रहे हैं। खेलो इंडिया सीरिज में कई सारे नए टूर्नामेंट्स जोड़े गए हैं। खेलो इंडिया यूथ गेम्स की वजह से यंग प्लेयर्स को आगे बढ़ने का मौका मिला है। यूनिवर्सिटी गेम्स, यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स को नए अवसर दे रहे हैं। खेलो इंडिया पैरा गेम्स से पैरा एथलीट्स की परफॉर्मेंस नए-नए एचीवमेंट्स कर रही है। उन्होंने कहा कि जैसे हमारे खिलाड़ी बड़े लक्ष्य लेकर चलते हैं, हमारा देश भी बड़े संकल्प लेकर आगे बढ रहा है। मोदी ने कहा कि भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिये पूरी कोशिश कर रहा है और जब भारत में ओलंपिक होगा तो वह भारतीय खेलों को नये आसमान पर ले जायेगा।

अपनी नाकामी का ठीकरा दूसरों पर फोड़ रहे केजरीवाल: नायब सैनी

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल द्वारा जहरीले पानी का बयान आम आदमी पार्टी द्वारा आगामी दिल्ली विधानसभा चुनावों में मतदाताओं को प्रभावित करने और अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए बनाया गया एक राजनीतिक हथकंडा है। हमने इस मामले की शिकायत चुनाव आयोग से की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी को पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करना एक सामूहिक जिम्मेदारी है, जिसे हरियाणा बिना किसी कमी के पूरा कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने दिल्ली सरकार की विफलता की पोल खोलते हुए कहा कि साल 2021 में, दिल्ली ने एक याचिका दायर की, जिसमें केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने जवाब दिया। इस जवाब में बताया गया कि वजीराबाद तालाब में अमोनिया नाइट्रोजन की समस्या है। साथ ही यह भी बताया गया कि आगरा में एक वाटर ट्रीटमेंट प्लांट है, जो 24 एमजी/एल तक अमोनिया वाले पानी को साफ कर सकता है। लेकिन, दिल्ली सरकार ने अभी तक वजीराबाद के इस प्लांट को अपग्रेड करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया है। इसी का नतीजा है कि दिल्ली के लोग आज भी गंदा पानी

हरियाणा से दिल्ली को हो रही 1049 क्यूसेक पानी की सतत आपूर्ति: सीएम

पीने को मजबूर है लेकिन अरविंद केजरीवाल अपनी नाकामी छुपाने के लिए अब हरियाणा पर दोषारोपण कर रहे हैं।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा के लोग यमुना नदी को माँ का स्थान देते हैं। यमुना हरियाणा और दिल्ली दोनों के लिए जीवनदायिनी है, और इसकी पवित्रता बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का यमुना के पानी में जहर मिलाने का आरोप हरियाणा और उसके लोगों की आस्था का अपमान है। हरियाणा के लोग यमुना को एक पवित्र नदी मानते हैं और इसकी पूजा करते हैं। उन्होंने कहा कि केजरीवाल के आरोप न केवल आधारहीन है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक परंपराओं और मान्यताओं का भी अपमान है।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि दिल्ली को यमुना और रावी-व्यास के हिस्से के पानी से मुनक में 1049 क्यूसेक पीने के पानी की आपूर्ति होती है। हरियाणा इस पानी को दो नहरों कैरियर लाइन चैनल (सीएलसी) और दिल्ली शाखा के माध्यम से दिल्ली को लगातार सप्लाई कर रहा है। वर्ष 2014 में कैरियर लाइन चैनल के चालू होने के बाद से, हरियाणा किसी भी नाले या यमुना नदी के माध्यम से दिल्ली को कोई पानी नहीं देता है और केवल सीएलसी और दिल्ली शाखा की नहर प्रणाली के माध्यम से दिल्ली को साफ पानी सप्लाई किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार दिल्ली को सप्लाई किए जा रहे जल की शुद्धता और इसकी सतत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

तुष्टिकरण की नीति पर चलने वाले भी अब संगम में डुबकी लगा रहे: सीएम योगी आदित्यनाथ

(एजेन्सी)।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव का नाम लिए बिना तंज किया कि तुष्टिकरण की नीति पर चलने वाले लोग भी अब त्रिवेणी के महासंगम में डुबकी लगा रहे हैं। एक मीडिया संस्थान द्वारा आयोजित महाकुंभ समागम में मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने कहा कि उन्हें खुशी है कि जो लोग पहले भारत की आस्था को सम्मान नहीं देते थे, वोट बैंक के लिए तुष्टिकरण की नीति पर चलते थे, वे लोग भी अब प्रयागराज में त्रिवेणी के महासंगम में डुबकी लगा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा यह अच्छी बात है और प्रयागराज तो सबका है, आस्था सबकी है।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और उप्र के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार, 26 जनवरी को संगम में 11 बार आस्था की डुबकी लगाई थी। विपक्षी दलों के लोगों के कुंभ स्नान के बारे में पूछने पर मुख्यमंत्री ने कहा सनातन पहले भी था, आज भी है और इसी प्रभावी ढंग से यह यात्रा आगे बढ़ेगी। इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए।

आदित्यनाथ ने अपने मंत्रिपरिषद के सदस्यों के साथ कुंभ स्नान किया था। इसको लेकर विरोधियों के आरोपों पर उन्होंने कहा जाकी रही भावना, जैसी प्रभु मूरत देखि तिन तैसी। मुख्यमंत्री ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा देश दुनिया के कोटि कोटि श्रद्धालुओं द्वारा किये जा रहे पावन स्नान और सनातन मेंउनकी आस्था ने उन लोगों को भी पवित्र डुबकी लगाने के लिए बाध्य कर दिया जिनकी इसमें आस्था ही नहीं थी। ऐसे लोगों को यह सोच कर अपने पुरोधाओं की प्रतिमा स्थापित करने के लिए मजबूर होना पड़ा कि इस स्थान का महत्व है और इसको नजरअंदाज नहीं करना है।

संगम में सपा कार्यकर्ताओं ने पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव की प्रतिमा स्थापित की है। अखिलेश यादव ने संगम स्नान के बाद अपने पिता की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया था। मुख्यमंत्री यहां टाइम्स

समूह के चैनल नवभारत द्वारा आयोजित महाकुंभ समागम में सवालों के जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा प्रयागराज में पिछले 15 दिनों में 16 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने स्नान किया। मां गंगा, मां यमुना और मां सरस्वती की त्रिवेणी के संगम में अगले 30 दिनों तक आयोजन चलना है। मेरा अनुमान है कि संगम में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या दुनिया की तीसरी बड़ी आबादी होगी। इसमें केवल भारत की आस्था ही नहीं, संस्कृति के गौरव का दर्शन करने का अवसर भी प्राप्त होगा।

मैं एक बनिए का बेटा हूं इसलिए फ्री की योजनाओं के लिए पैसे का इंतजाम करना जानता हूं: केजरीवाल

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। दिल्ली चुनाव के लिए 10 दिन से भी कम समय बचा है। आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने सार्वजनिक रैलियों के दौरान अपनी जाति को रेखांकित किया और मतदाताओं से कहा कि वह एक बनिया हैं और जानते हैं कि जिस कल्याणकारी योजना का उन्होंने वादा किया है उसके लिए धन की व्यवस्था कैसे करनी है। पूर्व मुख्यमंत्री ने अपनी पार्टी के शासन मॉडल, जाट आरक्षण के बारे में बात की और मुफ्त बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल सहित कल्याणकारी योजनाओं के बारे में सवालों और आलोचनाओं का जवाब दिया।

अरविंद केजरीवाल ने करावल नगर विधानसभा क्षेत्र से AAP उम्मीदवार मनोज कुमार त्यागी के पक्ष में प्रचार किया। केजरीवाल ने कहा कि हमने पहले दिल्ली में फ्री बिजली की और पंजाब में भी हमारी सरकार है वहां पर भी 24 घंटे फ्री बिजली है। बीजेपी की 20 राज्यों में सरकार है आप फोन करके पूछना कि यूपी, हरियाणा, राजस्थान में बिजली का बिल कितना आता है? यहां

पर कम से कम 5000 रुपए महीने का बिजली का बिल आता है। अगर 5 तारीख को गलत बटन दब गया तो कम से कम 5000 रुपए महीने का बिल आएगा। आप क्या इतना दे पाएंगे? इसलिए आप लोग सही बटन दबाएं।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हर किसी को बिजली बिल शून्य मिल रहा है। मैं एक इंजीनियर हूं इसलिए आपको 24/7 बिजली उपलब्ध है और मैं एक बनिए का बेटा हूं इसलिए यह मुफ्त में उपलब्ध है। भाजपा मुझसे पूछती है कि मैं अपनी सभी घोषणाओं के लिए धन का प्रबंधन कहां से करूंगा, तो मैं कहता हूं, मैं एक जादूगर हूं।

भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि वे पूछते हैं कि पैसा कहां से आएगा। मैं बनिया हूं। मैं जानता हूं कि संसाधनों का प्रबंधन कैसे करना है। आपको चिंतित होने की कोई जरूरत नहीं है। मैं गणित जानता हूं और मैं इसकी (पैसे की) व्यवस्था करूंगा।

पीएम के लोकल फॉर वॉकल के सिद्धांत पर आगे बढ़ रही नायब सरकार: मंत्री कृष्ण लाल पंवार

मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने सरस मेले का किया विधिवत उद्घाटन

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के ग्रामीण विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि हरियाणा सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच को सार्थक करते हुए वॉकल फॉर लॉकल के सिद्धांत पर आगे बढ़ रही है। महिलाओं को स्वावलंबी बनाते हुए उन्हें स्वरोजगार से जोड़कर जीवन में सकारात्मक लक्ष्य के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने के साथ ही उन्हे हर संभव सहयोग देने में सरकार अपना दायित्व प्रभावी रूप से निभा रही है।

पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने आज फरीदाबाद में सेक्टर-12 के एचएसवीपी ग्राउंड में 24 जनवरी से 6 फरवरी 2025 तक चलने वाले सरस मेले का विधिवत रूप से शुभारंभ किया। पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार के साथ खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री श्री राजेश नागर ने सरस मेला परिसर में देश भर के विभिन्न राज्यों व हस्तकला की प्रदर्शनी का अवलोकन किया और प्रतिभागियों को

प्रोत्साहित किया। पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार व खाद्य एवं पूर्ति मंत्री श्री राजेश नागर ने मेले में लगे सभी स्टॉल का निरीक्षण किया और स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों की तारीफ भी की। पंचायत मंत्री ने कहा कि ग्रामीण महिलाओं द्वारा बनाए गए उत्पाद उनकी मेहनत, रचनात्मकता व स्वालंबन का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि हरियाणा में लगभग 60 हजार स्वयं सहायता समूह कार्य कर रहे हैं, जिनके माध्यम से 6 लाख परिवार अपनी आजीविका चला रहे हैं। इन समूहों के माध्यम से ग्रामीण परिवारों की आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की मुख्य कार्यकारी अधिकारी डा. अमरिंद्र कौर ने विस्तार से हरियाणा के ग्रामीण विकास एवं पंचायत मंत्री को स्वयं सहायता समूह के बारे में जानकारी दी। डॉ अमरिंद्र कौर ने बताया कि मेले के मुख्य आकर्षण हस्तशिल्प और हस्तनिर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी ग्रामीण महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पाद जैसे हैंडीक्राफ्ट, जैविक उत्पाद, पारंपरिक परिधान, घरेलू सजावट की वस्तुएं, फूडकॉट, विभिन्न राज्यों से आए स्वादिष्ट पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद लेने का अवसर, सांस्कृतिक कार्यक्रम, लोकनृत्य, संगीत और नाटक प्रस्तुतियां ग्रामीण भारत की समृद्ध संस्कृति धरोहर का दर्शाती है।

सरस मेला के शुभारंभ अवसर पर पूर्व मंत्री एवं बल्लभगढ़ से विधायक मूलचंद शर्मा, हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. अमरिंद्र कौर व अन्य गणमान्य भी उपस्थित रहे।

देश के विकास में उद्योगों का अहम योगदान: मंत्री राव नरबीर सिंह

टैक्साईल एसोसिएशनों के पदाधिकारियों ने मंत्री के समक्ष रखी इंडस्ट्री से जुड़ी मांगे

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के उद्योग, वाणिज्य, पर्यावरण एवं वन मंत्री राव नरबीर सिंह ने पानीपत में स्थानीय अनाज मंडी में पीएचडीसीसीआई द्वारा आयोजित होम टैक्सटाइल प्रदर्शनी का विधिवत रूप से रिबन काट कर उद्घाटन किया व प्रदर्शनी का अवलोकन कर आधुनिक मशीनों द्वारा तैयार उत्पादों की जानकारी ली।

उद्योग मंत्री राव नरबीर सिंह ने प्रदर्शनी के अवलोकन के बाद टैक्साईल एसोसिएशनों के पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि कृषि उत्पादन के साथ-साथ उद्योग की तरक्की भी देश की तरक्की में अहम भूमिका निभाती है। छोटे-छोटे देशों की ग्रोथ अच्छी खासी है। इसके पीछे यही कारण है कि वहां के लोगों द्वारा उद्योग को बढ़ावा दिया जाता है।

उन्होंने कहा कि उद्योग को और अधिक मजबूत बनाने को लेकर जो नई उद्योग पॉलिसी बनाई जा रही है उसमें उद्यमियों को मिलने वाली सुविधाओं का ध्यान रखा जा रहा है। इसके निर्माण को लेकर उद्योगपतियों

की राय भी ली जा रही है। उद्योगपतियों पर किसी भी तरह से नई पॉलिसी को थोपा नहीं जाएगा। सबका सहयोग लेकर नई पॉलिसी का निर्माण किया जाएगा।

उद्योग मंत्री श्री राव ने कहा कि हरियाणा उद्योग के लिए बहुत ही अच्छी जगह है। यहां कानून व्यवस्था बहुत ही अच्छी है। प्रदेश में उद्योगों के लिए अच्छा वातावरण है। उद्यमियों को लोगों का पूरा सहयोग मिलता है। केंद्र सरकार द्वारा उद्योगों को लेकर प्रदेश में अनेक योजनाएं प्रस्तावित है जिन पर जल्दी कार्य होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह के नेतृत्व में सरकार प्रदेश में विकास को लेकर नई गति प्रदान कर रही है। प्रदेश की जनता ने अच्छा बहुमत देकर जिस तरह से भारतीय जनता पार्टी का मान सम्मान बढ़ाया है उसके नतीजे भी प्रदेश की विकास को लेकर अच्छे होंगे।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में किसी भी तरह की विकास को लेकर कटौती नहीं की जाएगी। पलायन की जो स्थिति बनी हुई थी उसको लेकर समाधान करने की कोशिश की गई है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण को लेकर हमें और महत्वपूर्ण कदम उठाने होंगे। प्रदेश में पॉलिथीन का बनाना व उसका इस्तेमाल करना पूरी तरह से बंद है। इस पर अधिकारियों को और मजबूती से कार्य करना होगा। पॉलिथीन का उपयोग स्वास्थ्य के लिए भी घातक है व इसको गलने में 400 साल का समय लग जाता है। हमें इस पर गौर करना चाहिये। अगर इसी तरह हम पालिथिन का उपयोग करते रहे तो 16 पीढियां गुजर जाने तक भी पॉलिथीन खत्म नहीं हो सकता।

■ संक्षिप्त समाचार

मौनी अमावस्या पर संगम में स्नान के लिए होगी भारी भीड़

नई दिल्ली (एजेन्सी)। मौनी अमावस्या इस वर्ष 29 जनवरी बुधवार को मनाई जाएगी। मौनी अमावस्या का विशेष महत्व होता है। इस वर्ष मौनी अमावस्या के मौके पर महाकुंभ में प्रमुख स्नान किया जाएगा। इस स्नान को देखते हुए महाकुंभ मेले में भारी भीड़ होने की संभावना है। इस भीड़ को देखते हुए उत्तर प्रदेश पुलिस ने यातायात परामर्श जारी किया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि निवासियों और श्रद्धालुओं को दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक समागम में अच्छा अनुभव मिले। मौनी अमावस्या माघ के महीने में आती है, जो हिंदू धर्म में बेहद महत्वपूर्ण दिन है। महाकुंभ के दौरान मौनी अमावस्या पर विशेष स्नान अनुष्ठान किए जाते है। इसे देखते हुए उत्तर प्रदेश पुलिस ने भी विशेष तैयारी कर ली है। एक्स पोस्ट पर उत्तर प्रदेश पुलिस ने कहा कि सभी भक्तों के लिए एक सुचारू और सुरक्षित अनुभव सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

लगभग 23 लाख विदेशी पर्यटकों ने किया उत्तर प्रदेश का भ्रमण

लखनऊ (एजेन्सी)। 'योगी के यूपी' की लोकप्रियता पर्यटकों के बीच निरंतर बढ़ रही है। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग के जारी आंकड़े इस बात के प्रमाण हैं। राज्य में आने वाले पर्यटकों की संख्या में वर्ष 2023 की तुलना में वर्ष 2024 में लगभग 17 करोड़ की वृद्धि दर्ज की गई है। विशेष बात यह है कि देश के साथ-साथ विदेशों में भी यूपी का आकर्षण बढ़ा है। एक वर्ष में विदेशी पर्यटकों की संख्या में लगभग 07 लाख की बढ़ोतरी देखने को मिली है। योगी सरकार के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश में पर्यटन की असीम संभावनाएं हैं। इसे धरातल पर उतारने के लिए निरंतर प्रयत्न किए जा रहे हैं। वर्ष 2022 से राज्य घरेलू पर्यटकों की पहली पसंद बना हुआ है। विदेशी पर्यटकों के आगमन भी यह उपलब्धि हासिल की प्राथमिकता है। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह के मुताबिक उत्तर प्रदेश में वर्ष 2024 में कुल 64,90,76,213 पर्यटक आए, जबकि 2023 में कुल 48,01,27,191 पर्यटकों का आना हुआ था। इस प्रकार एक वर्ष में कुल 16,89,49,022 की वृद्धि हुई। बीते वर्ष 22,69,067 विदेशी पर्यटक आए थे, जबकि 2023 में 16,01,503 विदेशी पर्यटक थे। इस प्रकार एक वर्ष में विदेशी पर्यटकों की संख्या में लगभग 6,67,564 की वृद्धि दर्ज की गई है।

प्रियंका गांधी ने किया वायनाड दौरा

केरल (एजेन्सी)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी को केरल में उनके निर्वाचन क्षेत्र वायनाड के दौरे के दौरान सीपीएम कार्यकर्ताओं ने काले झंडे दिखाए। उन्होंने क्षेत्र में चल रहे मानव-पशु संघर्ष पर प्रकाश डालते हुए, एक घातक बाघ के हमले पर देरी से प्रतिक्रिया देने के लिए उनकी आलोचना की। स्थानीय लोग वन्यजीव संरक्षण अधिनियम में बदलाव की मांग कर रहे हैं। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने मंगलवार को केरल के वायनाड का दौरा किया और राधा के परिवार से मुलाकात की, जो हाल ही में कनियारम, मननथावाडी में बाघ के हमले में मारी गई थी। गांधी की यात्रा क्षेत्र में मानव-पशु संघर्ष पर बढ़ती चिंताओं के बीच हो रही है, जिसमें हाथियों के हमले के तीन पीड़ितों सहित चार लोगों की जान चली गई है।

राम रहीम को 12वीं बार मिली पैरोल

नई दिल्ली (एजेन्सी)। दिल्ली चुनाव से ठीक पहले एक बार फिर हरियाणा सरकार का प्यार गुरमीत राम रहीम पर बरसता नजर आ रहा है। डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को फिर से पैरोल मिल गई है। 2017 के बाद पहली बार सिरसा के डेरा में गुरमीत राम रहीम जाएंगे। सोनारिया जेल से कड़ी सुरक्षा के बीच गुरमीत राम रहीम बाहर निकले। डेरा सच्चा सौदा प्रमुख और बलात्कार के दोषी गुरमीत राम रहीम सिंह को 30 दिन की पैरोल मिलने के बाद मंगलवार को हरियाणा के रोहतक की जेल से रिहा कर दिया गया। यह पहली बार है जब सिंह ने 2017 में बलात्कार मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद से सिरसा में डेरा का दौरा किया है। इससे पहले वह पैरोल के दौरान उत्तर प्रदेश के बागपत स्थित डेरा आश्रम में रुके थे। डेरा प्रमुख के एक वकील ने कहा कि उन्हें 30 दिन की पैरोल दी गई है। सिंह के दस दिन सिरसा में और बाकी दिन भागवत आश्रम में रहने की उम्मीद है। सिरसा में डेरा पहुंचने के बाद, सिंह ने अपने अनुयायियों को एक वीडियो संदेश भेजा और उनसे वहां न आने को कहा। सिरसा के एक पुलिस अधिकारी ने भी इस बात की पुष्टि की कि सिंह वहां डेरा पहुंचे थे। सिंह अपनी दो शिष्याओं से बलात्कार के आरोप में 2017 में दी गई 20 साल की सजा काट रहे हैं। उनकी पैरोल दिल्ली में चुनाव से कुछ दिन पहले आई है। पिछली बार, सिंह को पिछले साल 1 अक्टूबर को 20 दिन की पैरोल दी गई थी। वह भी 5 अक्टूबर को हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले आया था। अतीत में सिंह की कुछ पैरोल और फर्लो पंजाब, हरियाणा और पड़ोसी राज्यों में चुनावों के साथ मेल खाती थीं। एसजीपीसी जैसे सिख संगठनों ने पहले सिंह को दी गई राहत की आलोचना की है। पिछले साल अगस्त में सिंह को 21 दिन की छुट्टी दी गई थी। पंजाब विधानसभा चुनाव से ठीक दो हफ्ते पहले उन्हें 7 फरवरी, 2022 से तीन हफ्ते की छुट्टी भी दी गई थी।

सम्पादकीय

संविधान की रक्षा की लड़ाई

मध्यप्रदेश के इंदौर के निकट स्थित बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की जन्मस्थली महू से कांग्रेस ने संविधान की रक्षा की निर्णायक लड़ाई छेड़ दी, जब सोमवार को आयोजित एक विशाल सभा को सम्बोधित करते हुए कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने देश की मौजूदा राजनीतिक, सामाजिक व आर्थिक परिस्थितियों का व्यापक चित्रण करते हुए चेताया कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार दलितों, आदिवासियों, एवं कमजोर वर्गों के हक को मार रही है। वंचितों के लिये संविधान के महत्व को समझाते हुए राहुल ने बतलाया कि जिस दिन देश का संविधान खत्म हो जायेगा उस दिन इन वर्गों के लिये कुछ भी नहीं बचेगा। वैसे तो कांग्रेस ने सामाजिक न्याय की लड़ाई पिछले कुछ समय से कई-कई मोर्चों पर और अनेक स्वरूपों में छेड़ रखी है, लेकिन महू की सभा में राहुल ने जिस स्पष्टता व व्यापकता से संविधान की अहमियत प्रतिपादित की तथा उस पर छाये संकटों का ब्यौरा दिया, उसके चलते उम्मीद की जा सकती है कि कांग्रेस का संदेश इन वर्गों तक ही नहीं वरन समग्र समाज तथा देश को समझ में आयेगा कि किस प्रकार से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी संविधान को समाप्त कर लोक अधिकारों का सम्पूर्ण खात्मा करना चाहती है। इस सभा में 'जय बापू जय भीम जय संविधान' का जो नारा दिया गया है वह कोई रातों-रात गढ़ा गया अथवा एकाएक सोची गयी थीम न होकर एक वैचारिक प्रक्रिया से निकली हुई यह सोद्देश्य लड़ाई है। याद हो कि राहुल ने 7 सितम्बर, 2022 को कन्याकुमारी से लगभग चार हजार किलोमीटर का दक्षिण से उत्तर की ओर पैदल मार्च किया था और जिसका समापन कश्मीर के श्रीनगर में 30 जनवरी, 2023 को हुआ था, उसे 'भारत जोड़ो यात्रा' का नाम दिया गया था। वह देश में नफरत के खिलाफ मोहब्बत की यात्रा थी। साम्प्रदायिक सौहार्द्र के लिये निकली उस यात्रा के दौरान अनेक मुद्दों पर राहुल चर्चा करते दिखे जिसमें यह तथ्य सामने आया कि भाजपा एवं उसकी मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एक खास एजेंडे के तहत देश में ऐसा माहौल बना रही है। एक ओर तो वह हिन्दू-मुस्लिमों को लड़ा रही है तो वहीं वह दूसरी ओर अगड़ों-पिछड़ों के बीच खाई को चौड़ा करने के बड़े षडयंत्र और कुचक्र रच रही है। जैसे-जैसे यह यात्रा बढ़ी तो लोगों को यह बात स्पष्ट होने लगी कि इसके पीछे का असली खेल देश के सारे संसाधन मुी भर कारोबारियों को सौंप देने का है। लाभकारी सार्वजनिक उपक्रम दो बड़े व्यवसायियों के हाथों में देने के दुष्परिणाम ये हैं कि देश में गरीबी, बेकारी और बेहाली छाई है। शिक्षा व स्वास्थ्य सहित सारे जनहित के कार्य ठप पड़े हैं और धर्म व जाति के जरिये भाजपा केवल ध्रुवीकरण में व्यस्त है। विपक्षी दलों सहित सभी तरह की विरोध व असहमतियों की आवाजों को सरकार दबा रही है। आर्थिक शक्तियों पर आधिपत्य करने के लिये भाजपा व उसकी केन्द्र सरकार राजनीतिक ताकत को अपनी मुी में ले चुकी है। यह कार्य आसानी से करने के लिये ही उसने सामाजिक ताने-बाने को ध्वस्त कर दिया है। इसलिये जब राहुल गांधी ने उस यात्रा का सीक्वल हाई ब्रीड (पैदल व वाहन के जरिये) के रूप में मणिपुर से 14 जनवरी, 2024 से प्रारम्भ कर दो माह बाद मुम्बई में समाप्त किया, तो उसे 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' नाम दिया गया जो समय की आवश्यकता एवं समय के अनुरूप ही था। सामाजिक सौहार्द्र की लड़ाई को कांग्रेस ने केवल सामाजिक ही नहीं, बल्कि राजनीतिक व आर्थिक न्याय की लड़ाई के रूप में भी बड़ा विस्तार दिया। लोकसभा के लिये पिछले साल के मध्य में हुए चुनाव में भाजपा ने जो '400 पार' का नारा दिया था उससे एक तरह से संविधान को पहला बड़ा और साफ खतरा उभरकर आया। वैसे तो पहले से यह दिख रहा था कि भाजपा व संघ की पसंद भारत का संविधान नहीं वरन मध्ययुगीन संहिता मनुस्मृति है। कई मौकों पर वह संविधान को कोसती आई थी। उसके कई नेता तथा चुनावी प्रत्याशी उसे बदलने की मंशा जतला चुके थे। वे यह कहकर वोट मांग रहे थे कि 'मोदी को 400 सीटें चाहिये क्योंकि संविधान को बदलना है।' इस बात को कांग्रेस व उसके नेतृत्व में बने प्रतिपक्षी गठबन्धन इंडिया के साथ जनता ने भांप लिया जिसके कारण भाजपा की सीटें इतनी घट गयीं कि मोदी को तेलुगु देसम पार्टी व जनता दल यूनाइटेड के समर्थन से सरकार बनानी पड़ी। वैसे तो आरोप हैं कि तकरीबन 80 सीटों पर ईवीएम के जरिये हेर-फेर हुआ है।

जयंती

जोगेन्द्र नाथ मंडल

जन्म-29 जनवरी, 1904; मृत्यु-5 अक्टूबर, 1968, पश्चिम बंगाल) पाकिस्तान के पहले कानून मंत्री और श्रमिक के रूप में सेवा करने वाले विधायक थे। यह राष्ट्रमंडल और कश्मीर मामलों के दूसरे मंत्री थे। जोगेन्द्र नाथ मंडल एक भारतीय और बाद में पाकिस्तानी नेता थे, जो पाकिस्तान में कानून और श्रम के पहले मंत्री थे। 1950 में पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री लियाकत अली खान को अपना इस्तीफा देने के बाद जोगेन्द्र नाथ मंडल वापस भारत लौट आये थे, जिसमें पाकिस्तानी प्रशासन के विरोधी हिंदू पूर्वाग्रह का हवाला दिया गया था। उन्होंने अपने इस्तीफे पत्र में सामाजिक अन्याय और गैर-मुस्लिम अल्पसंख्यकों के प्रति पक्षपातपूर्ण व्यवहार से संबंधित घटनाओं का उल्लेख किया था।

पुण्यतिथि

जॉर्ज फर्नांडिस

जन्म-3 जून, 1930, मैंगलोर, कर्नाटक; मृत्यु-29 जनवरी, 2019, नई दिल्ली) एक पूर्व ट्रेड यूनियन नेता थे, जो राजनेता, पत्रकार और भारत के रक्षामंत्री रहे। उन्होंने व्यापारिक संघ के नेता, पत्रकार, राजनेता और एक मंत्री के तौर पर अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई। आजीवन उन्होंने मजदूरों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया। जॉर्ज फर्नांडिस जनता दल के प्रमुख नेता थे और बाद में समता पार्टी का भी गठन किया। अपने राजनैतिक जीवन में उन्होंने केंद्र में कई महत्वपूर्ण मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने संचार, उद्योग, रेलवे और रक्षा मंत्री के रूप में कार्य किया। वे अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में अकेले ईसाई मंत्री थे। भारत सरकार ने उन्हें 2020 में मरणोपरांत 'पद्म विभूषण' से सम्मानित किया है।

कल मिलेंगे

मास्टर जी-'खुशी का ठिकाना न रहा' कोई इस मुहावरे का अर्थ बताओ?
चिंटू-खुशी घर वालों से छिपकर, हर रोज अपने दोस्त से मिलने जाती थी.
फिर एक दिन उसके पापा ने उसे देख लिया और खुशी को घर से निकाल दिया.
अब बेचारी 'खुशी का ठिकाना न रहा'
यह जवाब सुनकर मास्टर जी अभी तक बेहोश ही हैं.

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635

E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

दिल्ली चुनाव में महिला वोटरों की उदासीनता, फ्रीबीज के खिलाफ आधी आबादी

सरकार की नई शराब नीति में एक पर एक फ्री बोतल पॉलिसी ने कईयों के घर बर्बाद कर दिए। जो नहीं पीता था, वो भी फ्री के चक्कर में पीने लगा। मौजूदा सरकार अगर सत्ता से बेदखल होती है, तो शराब ऑफर उसका मुख्य कारण होगा। वैसे, कम होती वोटिंग विधा की तल्ख सच्चाई से चुनाव और सियासी दल अच्छे से वाकिफ हैं। लेकिन उस हकीकत को दोनों कभी उजागर नहीं करना चाहेंगे

-डॉ. रमेश ठाकुर

अरविंद केजरीवाल ने अपने चुनावी घोषणापत्र में एक बार फिर फ्रीबीज की झड़ी लगाई है। कितने सफल होंगे ये तो आने वाला समय ही तय करेगा। पर, अब इतना जरूर है, लोग फ्री की सौगातों से ऊबने लगे है। श्रमबल को तरजीह देने वाली आधी आबादी, भी अब मुफ्त की चुनावी रेबड़ियों पर ध्यान नहीं देगी। इसी कारण जारी दिल्ली विधानसभा चुनाव के प्रचार-प्रसार में महिला वोटरों की उदासीनता बड़े पैमाने पर दिखने लगी है।

पांच फरवरी को होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव के कूदे कुल 699 उम्मीदवारों में 96 महिला कैंडिडेट भी हैं। पर, वैसा उत्साह नहीं दिखता, जितना पिछले चुनावों में दिखा था। जबकि, प्रमुख दल आम आदमी पार्टी, भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस तीनों महिला वोटरों को रिझाने में मुफत के वादों की झड़ी लगाए हुए हैं। कोई 2100 रूपए देने का वादा कर रहा है तो 2500 और 3000 तक भी? फ्री बस सेवा सभी के एजेंड़ों में हैं। अब, सवाल यहां ये उठता है, इतनेलुभावने वादों के बाद भी महिला वोटरों में उत्साह क्यों नहीं है? इस डरावनी तस्वीर से न सिर्फ सफेदपोश परेशान हैं, बल्कि चुनाव आयोग भी चिंतित है। चुनावी समर में लगातार तेजी से गिरता वोटिग प्रतिशत चुनावी प्रक्रिया के अलावा लोकतंत्र के लिए भी घातक है। जबकि, बीते 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों में महिलाओं का वोटिंग स्कोर पुरुषों के मुकाबले अधिक था। शायद, महिलाएं भी अब समझ चुकी हैं कि फ्री के नाम पर राजनीतिक दल उन्हें वोट बैंक के तौर पर इस्तेमाल करने लगे हैं? महिलाएं बुनियादी मुद्दों की गंभीरताओं को अच्छे से समझती हैं। राज्य तरक्की करे उसमें उनकी भागीदारी हो, को ध्यान में रखकर ज्यादातर महिलाएं मुफ्त की रेवड़ियां से तौबा करना शुरू कर दिया है। इस संबंध में एक ताजा और बेहतरीन उदाहरण सामने है। पिछले विधानसभा चुनाव में बिहार में जब नीतीश कुमार ने शराब बंदी का ऐलान करके चुनाव लड़ा, तो महिलाओं ने बढ़चढ कर हिस्सा लिया और उन्हें सत्ता पर बैठा दिया। देश और सामाजिक उद्वार वाले मुद्दों के प्रति महिलाएं कितनी सजग हैं, इससे खूबशूरत उदाहरण दूसरा कोई नहीं हो सकता।

केंद्रीय स्तर पर जब से आत्मनिर्भरता की अलख चहुंओर जगी है। तब, से महिलाएं भी श्रमबल को ज्यादा तवज्जो देनी लगी हैं। ये अच्छी बात है, इससे राजनीतिक दल अपनी हरकतों से बाज आएंगे। शायद यही कारण है दिल्ली में महिलाओं की चुनाव के प्रति उदासीनता है। क्योंकि, सभी दल मुद्दों-समस्याओं को छोड़कर फ्री की सेल लगाकर बैठे हैं। ऐसे दलों का पुरजोर विरोध होना ही चाहिए। विरोध से ही सरकारें टैक्सपेयर्स का पैसा बर्बाद करने से पीछे हटेंगी। महिलाओं की उदासीनता के बूते ही दिल्ली चुनाव इस बार नई तस्वीर पेश करेगा। मौजूदा सरकार की शराब पॉलिसी को लेकर महिलाएं खासी नाराज हैं।

सरकार की नई शराब नीति में एक पर एक फ्री बोतल पॉलिसी ने कईयों के घर बर्बाद कर दिए। जो नहीं पीता था, वो भी फ्री के चक्कर में पीने लगा। मौजूदा सरकार अगर सत्ता से बेदखल होती है, तो शराब ऑफर उसका मुख्य कारण होगा। वैसे, कम होती वोटिंग विधा की तल्ख सच्चाई से चुनाव और सियासी दल अच्छे से वाकिफ हैं। लेकिन उस हकीकत को दोनों कभी उजागर नहीं करना चाहेंगे। हकीकत ये है, चुनावों में अगर ग्रामीण, मध्यमवर्ग और महिलाएं हिस्सा न लें? तो वोटिंग प्रतिशत और धरातल में घुस जाए। वोटिंग से शिक्षित वर्ग, वर्किंग लोग लगातार दूरियां बनाने लगे हैं। मतदान के दिन वह छुट्टियां मनाते हैं, बा-मुश्किल ही घरों से उस दिन बाहर निकलते हैं।

दिल्ली में इस बार जितने नए वोटर जुड़ें हैं उनमें पुरूषों के मुकाबले महिलाएं मतदाता काफी पीछे हैं। ये स्थिति तब है, जब दिल्ली की सत्ता पर काबिज होने की कोशिश कर रहे तीनों प्रमुख दलों के घोषणाओं में महिलाओं से जुड़ी योजनाओं की मूसलाधार भरमारें हैं। आप, भाजपा व कांग्रेस तीनों दल आधी आबादी को अपने पाले में करने की भरसक कोशिशें में हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा जारी अंतिम मतदाता सूची पर अगर गौर करें, तो पुरुष मतदाताओं से महिलाओं की संख्या काफी कम है। इस बार दिल्ली में कुल 1,55,24,858 मतदाता अपने मतों का 5 फरवरी को इस्तेमाल करेंगे जिनमें पुरुषों की संख्या 85,49,645 और महिलाओं की संख्या 71,73,952 है। बीच में अंतर अच्छा खासा है।

हालांकि, दिल्ली चुनाव आयोग ने मदतान बढ़ाने को लेकर एक नायाब तरीका अपनाया है। उन्होंने दिल्ली के तकरीबन स्कूलों को आदेशित किया है कि वह छात्रों के जरिए उनके माता-पिता व अन्य परिवारजनों से वोटिंग करने को लेकर लिखित में संकल्पित करवाएं। इसके लिए बाकायदा छात्रों से एक संकल्प पत्र दिया गया हैं जिस पर उनके अभिभावक वोट देने की कसम को लिखित हस्ताक्षर के साथ स्कूलों में जमा करवा रहे है। हैरत यही है कि नौबत ऐसी आ गई कि वोटिंग बढ़ाने के लिए सरकारी सिस्टम ने स्कूलों और छात्र-छात्रों का सहारा लेना शुरू कर दिया है। बहरहाल, दिल्ली चुनाव में दो धड़े ऐसे हैं जो सियासी दलों की इस बार नैया पार लगा सकते हैं।

अव्वल, महिला वोटर और दूसरे पूर्वांचल से वास्ता रखने वाले लोग? दिल्ली में प्रत्येक 10 वोटरों में तीसरा वोटर पूर्वांचली है। अगर इन दोनों की उदासनीता चुनाव पर हावी रही, तो वोटिंग प्रतिशत और नीचे गिर जाएगा। पिछले दिनों कुछ राज्यों में विधानसभा सीटों पर उप-चुनाव हुए जिनमें दिल्ली से सटी गाजियाबाद सीट पर मात्र 33 फीसदी ही मतदान हुआ, जिसे देखकर आयोग के ही नहीं, नेताओं के कान खड़े हो गए। जबकि, गाजियाबाद सीट पर महिला वोटरों की संख्या बहुत अच्छी है।

सवाल यहां एक ये भी उठने लगा है कि क्या महिलाएं भी मुफ्त रेवड़ियां से परहेज करने लगी हैं। अगर ऐसा है तो सुखद तस्वीर कही जाएगी। निश्चित रूप से देश की शिक्षित महिलाएं अब अपने श्रमबल को तरजीह देने लगी हैं। उन्हें देखकर ग्रामीण आबादी भी सजग हुई है। वोटिंग प्रक्रियाओं में महिलाओं की चुप्पी क्या कहती है, उसे समझना चुनाव आयोग और राजनेताओं को अब आवश्यक हो गया है।

गांवों की खुशहाली मापने के लिए बनाएं नए मानदंड

2011 की जनगणना के अनुसार भारत की 68 प्रतिशत आबादी गांवों में रहती है, जबकि 32 प्रतिशत आबादी शहरों में है। स्वाधीन भारत में विशेषकर उदारीकरण के बाद जिस तरह का विकास मॉडल हमने अपनाया, उसमें शहरी विकास पर सबसे ज्यादा फोकस रहा, ग्रामीण विकास या तो रस्मी रहा या फिर उस पर फोकस शहरों की तुलना में कम रहा। शहरों की ओर रोजगार और जीवन सुविधाएं केंद्रित होती चली गईं

-उमेश चतुर्वेदी

दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था वाले अपने देश की पहचान उसके गांव रहे हैं। देश सिर्फ ग्रामीण संस्कृति और कृषि व्यवस्था के लिए ही नहीं, सहकार और शिल्पकारी के लिए भी वैश्विक पहचान रखते रहे हैं। सोने की चिड़िया कहे जाने वाले दौर में भी भारतीय कृषि और आर्थिकी के आधार गांव ही रहे। यह बात और है कि अंग्रेजी शासन के दौरान से भारतीय गांवों का पतन शुरू हुआ। इसके बाद भारतीय गांव गरीबी और मजबूरी के पर्याय माने जाने लगे। लेकिन घरेलू उपयोग और खर्च के ताजा सर्वेक्षण की रिपोर्ट बता रही है कि गांवों की आर्थिक तस्वीर बदलने लगी है।

भारत सरकार के सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से घरेलू उपयोग और खर्च के लिए कराए गए सर्वेक्षण के अनुसार शहरी और ग्रामीण इलाकों में घरेलू खर्च का जो पहले अंतर रहता था, वह लगातार घटता चला गया है। अगस्त 2023 से जुलाई 2024 के दौरान किए गए सर्वेक्षण के मुताबिक, ग्रामीण और शहरी भारत में प्रति व्यक्ति औसत मासिक खर्च 4,122 रुपये और 6,996 रुपये हो गया है। जबकि पहले यानी 2022 से 2023 के बीच यह खर्च क्रमशः 3,773 रुपये और 6,459 रुपये था? यानी शहरी और ग्रामीण भारत की प्रति व्यक्ति खर्च दर में बड़ा अंतर था। मोटे तौर पर यह आंकड़ा बता रहा है कि हाल के दिनों में ग्रामीण इलाकों में आर्थिक समृद्धि पहले की तुलना में बढ़ी और उस लिहाज से खर्च भी बढ़ा है।

2011 की जनगणना के अनुसार भारत की 68 प्रतिशत आबादी गांवों में रहती है, जबकि 32 प्रतिशत आबादी शहरों में है। स्वाधीन भारत में विशेषकर उदारीकरण के बाद जिस तरह का विकास मॉडल हमने अपनाया, उसमें शहरी विकास पर सबसे ज्यादा फोकस रहा, ग्रामीण विकास या तो रस्मी रहा या फिर उस पर फोकस शहरों की तुलना में कम रहा। शहरों की ओर रोजगार और जीवन सुविधाएं केंद्रित होती चली गईं। शिक्षा के भी बेहतर अवसर गांवों की तुलना में शहरों की ओर बढ़ते गए। इस लिहाज से ग्रामीण क्षेत्रों से सबसे ज्यादा पलायन रोजगार और शिक्षा के लिए हुआ। फिर जिन परिवारों के पास सहूलियतें बढ़ीं, उन परिवारों ने अपनी हैसियत और बजट के लिहाज से मुफीद पाए जाने वाले शहरों की ओर रहने के लिए रूख किया। यही वजह है कि शहरी और ग्रामीण आबादी का जो अनुपात आबादी के समय था, वह आज बदल चुका है। आजादी के वक्त तकरीबन 80 फीसद से ज्यादा लोग गांवों में रहते थे, अनुमान है कि वह घटते-घटते अब साठ और पैंसठ फीसद के बीच आ गई है। रिकॉर्ड पर ग्रामीण आबादी का इतना बड़ा हिस्सा भले ही गांवों में बसता हो, लेकिन हकीकत यह है कि इसमें एक बड़ा हिस्सा शहरों में रोजी-रोटी और शिक्षा के लिए कभी शौकिया तो कभी मजबूरीवश रहने को मजबूर है। इसलिए रिकॉर्ड की तुलना में वास्तविक ग्रामीण आबादी अब और भी कम हो चुकी है।

घरेलू खर्च के इस नए आंकड़े को देखते वक्त हमें इस संदर्भ पर भी ध्यान देना होगा। बहरहाल हमें यह भी ध्यान देना होगा कि ग्रामीण इलाकों में खाद्यान्न विशेषकर गेहूं और चावल पर खर्च में निजी या पारिवारिक खर्च में कमी आई है। इसकी वजह यह है कि सरकार की ओर से तमाम तरह की योजनाएं और सामाजिक कल्याण कार्यक्रम चल रहे हैं। मुफ्त खाद्यान्न योजना समेत कई अन्य सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों के जरिये मुफ्त में मिल रही चीजों की कीमतों को ध्यान में रखें तो घरेलू खर्च के ये आंकड़े ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए क्रमशः 4,247 रुपये और 7,078 रुपये हो जाते हैं। मौजूदा कीमतों के संदर्भ में देखें तो शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति खर्च पर औसत आठ और नौ प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। साल 2011-12 में शहरी और खपत खर्च के बीच 84 प्रतिशत का अंतर था, जो 2022-23 में घटकर 71 प्रतिशत हो गया। जो अब 70 फीसद ही रह गया है। इन आंकड़ों से ग्रामीण इलाकों में बढ़ती खुशहाली की तसवीर सामने आती है। दिलचस्प यह है कि इस आंकड़े में खाने-पीने के अलावा की चीजों पर शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में यह खर्च 60 और 53 प्रतिशत रहा। इसका मतलब साफ है कि अब ग्रामीण इलाकों में भी वाहन, कपड़े, बिस्तर, जूते, मनोरंजन एवं टिकाऊ आदि सामानों पर खर्च बढ़ा है। इससे साफ है कि उपभोक्तावाद ने ग्रामीण इलाकों पर भी जोरदार दस्तक दी है। वैसे ऑनलाइन स्टोर से गांवों में खरीददारी बढ़ी है और उनके डिलीवरी एजेंटों की बाइकें अब ग्रामीण इलाकों का भी खूब चक्कर लगा रही हैं। पिछले साल मई में रिजर्व बैंक ने भी ग्रामीण इलाकों में बढ़ती खपत खर्च को लेकर ऐसे ही आंकड़े जारी किए थे। इन्हीं आंकड़ों के आधार पर रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने उम्मीद जताई थी कि भारतीय अर्थव्यवस्था में तेजी रहेगी और देश की जीडीपी दर मे 7.3 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हो सकती है। लेकिन रिजर्व बैंक ने इसी रिपोर्ट में ग्रामीण इलाकों में बढ़ते कर्ज को लेकर भी रिपोर्ट जारी की थी। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की रिपोर्ट में भी कर्ज को लेकर चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। इसके मुताबिक, कर्ज लेने में ग्रामीण क्षेत्रों के लोग कहीं ज्यादा आगे हैं। गांवों में प्रति एक लाख लोगों में 18,714 लोग ऐसे हैं, जिन्होंने कोई न कोई कर्ज ले रखा है, जबकि शहरों में यह आंकड़ा 17,442 प्रति लाख ही है। साफ है कि उपभोक्तावाद ग्रामीण संस्कृति को बदलने में बड़ी भूमिका निभा रहा है। कर्ज कभी गांवों के लोगों के लिए सिरदर्द होते थे, इसलिए वहां बचत केंद्रित आर्थिकी पर जोर था। लेकिन अब इसमें गिरावट आई है। इसका मतलब साफ है कि गांवों में खर्च भले ही बढ़ रहा है, लेकिन यह भी सच है कि गांवों की तसवीर अभी कम से कम वैसी नहीं हो पाई है, जिस स्तर पर शहरी तसवीर है।

लेखक गंवईं गंध के वरिष्ठ पत्रकार हैं...

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

रायसीना मीडिल ईस्ट सम्मेलन में विदेश मंत्री जयशंकर ने लिया हिस्सा

(एजेन्सी)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मजबूत व्यापार, कनेक्टिविटी और पीपुल टू पीपुल कनेक्ट के संबंधों के कारण पिछले दशक में भारत-मध्य पूर्व संबंधों के महत्वपूर्ण विस्तार पर प्रकाश डाला और कहा कि भारत मध्य पूर्व को दुनिया के लिए एक महत्वपूर्ण मार्ग के रूप में देखता है। जयशंकर ने यहां रायसीना मध्य पूर्व के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि मध्य पूर्व क्षेत्र भारत के रणनीतिक हितों के लिए महत्वपूर्ण है। खाड़ी क्षेत्र में देश का व्यापार लगभग 160 से 180 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक होता है।

जयशंकर ने कहा कि खाड़ी में हमारी उपस्थिति व्यापक और महत्वपूर्ण दोनों है। 9 मिलियन से अधिक भारतीय यहां रहते हैं और काम करते हैं, लेकिन खाड़ी एमईएनए क्षेत्र और भूमध्य सागर के प्रवेश द्वार के रूप में भी कार्य करती है। संयोगवश, भूमध्य सागर के साथ हमारा वार्षिक व्यापार 80 अरब अमेरिकी डॉलर का है और वहां भारतीय प्रवासियों की संख्या करीब पांच लाख है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में भारत की परियोजनाओं में हवाई अड्डे, बंदरगाह, रेलवे, फॉस्फेट, हरित हाइड्रोजन शामिल हैं। जयशंकर ने कहा कि भारत और मध्य पूर्व के प्रयासों को अफ्रीका, यूरोप, काकेशस और मध्य एशिया में आगे बढ़ाया जा सकता है। शायद ऐसा कोई डोमेन नहीं है जिसमें कनेक्टिविटी की तुलना में इस तरह के बहुपक्षीय सहयोग के लिए मजबूत मामला हो। समुद्री सुरक्षा और संरक्षा एक और मुद्दा है जहां वैश्विक घाटे को भरने के लिए समझ और तंत्र को आगे आना होगा।

जयशंकर ने कहा कि मध्य पूर्व एक विस्तारित पड़ोस है जिसके साथ भारत पूरी तरह से फिर से जुड़ गया है, और नई दिल्ली को इस क्षेत्र के साथ अपने जुड़ाव को गहरा करने की जरूरत है।

अमृत स्नान को देखते हुए बढ़ा प्रयागराज का किराया

(एजेन्सी)।

प्रयागराज। प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में भक्तों का रेला देखने को मिल रहा है। देश विदेश से लाखों की संख्या में श्रद्धालु रोजाना संगम में डुबकी लगाने पहुंच रहे है। प्रयागराज पहुंचने के लिए ट्रेन, सड़क से लेकर वायु मार्ग पर भी असर देखने को मिल रहा है। एक तरफ जहां ट्रेनों लगातार भरी हुई है वहीं दूसरी तरफ विमानन कंपनियों का किराया आसमान छू रहा है।

अमृत स्नान को देखते हुए टिकट की कीमत 50 हजार रुपये तक पहुंच गई है। दिल्ली से प्रयागराज जाने के लिए 28 और 29 जनवरी को टिकट की कीमत 50 हजार रुपये हो गई है। एक सीट के लिए यात्रियों को 50 हजार रुपये खर्च करने होंगे। इस 29 तारीख के लिए लंदन जाने के लिए एक यात्री का किराया 60-70 हजार रुपये का है। प्रयागराज जाने के लिए एयरप्लेन के किराए में आई इस बढ़ोतरी को देखते हुए प्रतापगढ़ की कुंडा सीट से विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने चिंता जाहिर की है। उन्होंने सवाल किया कि सरकार को हवाई किराए पर स्थायी नियंत्रण रखना चाहिए।

उन्होंने महाकुंभ के लिए प्रयागराज आने वाली फ्लाइट्स की संख्या को बढ़ाने पर खुशी जाहिर की है। वहीं एयरलाइंस द्वारा अधिक किराया वसूले पर उन्होंने नाराजगी भी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए फ्लाइट्स की संख्या बढ़ाई गई है। मगर फ्लाइट्स का किराया बेहद महंगा है, जिस कारण कंपनियों को लक्ष्य अवसर का लाभ उठाते हुए अपनी जेबें भरने का मौका मिल रहा है। कंपनियां श्रद्धालुओं की सुविधा का ध्यान नहीं रख रही है। उन्होंने डीजीसीए इंडिया और भारत सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित किया है। आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने इस मुद्दे पर चिंता व्यक्त की है।

खालिस्तानी समर्थकों को नहीं छोड़ेंगे...गुरुद्वारे में घुसी ट्रंप की पुलिस, मचा हड़कंप

(एजेन्सी)।

अमेरिका। डोनाल्ड ट्रंप और पीएम मोदी के बीच हाल ही में बातचीत ने भारत और अमेरिका के रिश्तों को नई ऊंचाईयों पर पहुंचा दिया। लेकिन सबसे बड़ी खबर ये है कि ट्रंप प्रशासन ने खालिस्तानी समर्थकों और अमेरिका में अवैध तरीके से रहने वाले गैर कानूनी नागरिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। अब आप कहेंगे कि ट्रंप से पहले कमला हैरिस और बाइडेन प्रशासन की ओर से कोई कदम क्यों नहीं उठाए गए थे।

दरअसल, जब कमला हैरिस अमेरिका की उपराष्ट्रपति थीं तो उम्मीद थी कि भारतीय मूल की इस नेता से भारत को समर्थन मिलेगा। लेकिन खालिस्तानी समर्थकों के खिलाफ कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। इन तत्वों ने भारत के तिरंगे का अपमान किया, भारतीय दूतावास पर हमले किए और सिख फॉर जस्टिस जैसे अलदाववादी संगठनों के जरिए भारतीय विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा दिया।

डोनाल्ड ट्रंप के शपथ के साथ ही गुरुद्वारों और चर्चों पर छापेमारी की गई। ट्रंप प्रशासन की ओर से गुरुद्वारों और चर्चों में छुपे अवैध अप्रवासियों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। ये वे स्थान थे जहां खालिस्तानी समर्थक पनाह लेते थे। अमेरिका में खालिस्तानी समर्थक अक्सर अवैध रुप से प्रवेश करते थे और भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल होते थे। अब इनकी पहचान करके इन्हें डिपोर्ट करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इसके साथ ही साथ गुरुद्वारओं और चर्चों को भी चेतावनी दी है कि अगर वे अवैध इमीग्रेंट को शरण देंगे तो उन पर भी कार्रवाई होगी। ट्रंप के शपथ लेते ही होमलैंड सिक्योरिटी ने बाइडेन प्रशासन की नीति को रद्द कर दिया, जिसने गुरुद्वारों या चर्च जैसे पूजा स्थलों सहित संवेदनशील क्षेत्रों में या उसके आसपास कानून प्रवर्तन को प्रतिबंधित कर दिया था। सिख अमेरिकन लीगल डिफेंस एंड एजुकेशन फंड (एसएएलडीएफ) ने आव्रजन प्रवर्तन कार्रवाइयों पर प्रतिबंध के संबंध में पूजा स्थलों जैसे संवेदनशील क्षेत्रों को नामित करने वाले पूर्व के दिशा-निर्देशों को रद्द करने के निर्देश पर गंभीर चिंता व्यक्त की। एसएएलडीएफ ने कहा कि नीति में परेशान करने वाले इस बदलाव के साथ ही समुदाय से ऐसी रिपोर्ट सामने आई, जिसमें निर्देश जारी होने के कुछ ही दिनों बाद डीएचएस अधिकारियों ने न्यूयॉर्क और न्यूजर्सी क्षेत्रों में गुरुद्वारों का दौरा किया।

आपको बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप और पीएम मोदी के बीच हाल ही में एक फोन कॉल हुई। ये कॉल ट्रंप के राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद हुई। दोनों नेताओं ने इंडो पेसेफिक मीडिल ईस्ट और यूरोप में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। फोन कॉल की सबसे खास बात ये थी कि दोनों देशों के बीच रक्षा और व्यापार को लेकर नए समझौतों की बात हुई है।

वहीं अगर बात खालिस्तानी समर्थकों की करें तो इनकी गतिविधियों पर रोक लगाना न केवल भारत के लिए बल्कि अमेरिका के लिए भी एक बड़ी प्राथमिकता बन गई है। खालिस्तानी अक्सर भारत विरोधी गतिविधियां करने के बाद अमेरिका में शरण मांगते थे। वे दावा करते थे कि भारत सरकार से उन्हें खतरा है। इसी आधार पर वे अमेरिकी नागरिकता हासिल करने की कोशिश करते थे। हालिया ट्रंप प्रशासन की रिपोर्ट के अनुसार गुरुद्वारों में इन अवैध इमीग्रेंट्स को रहने और खाने की सुविधा मिलती थी। ट्रंप प्रशासन ने अब इन जगहों पर छापेमारी शुरू कर दी है।

बोमन ईरानी ने अपनी पत्नी जेनोबिया संग मनाई 40वीं शादी की सालगिरह

(एजेन्सी)। बहुमुखी प्रतिभा के धनी बोमन ईरानी और उनकी पत्नी जेनोबिया अपनी 40वीं शादी की सालगिरह मना रहे हैं और इस मौके को उन्होंने अपनी प्यारी सालगिरह की पोस्ट के साथ और भी खास बना दिया। उन्होंने अ

सिवान के लाल आशुतोष की किताब का पद्मभूषण रामबहादुर राय ने किया लोकार्पण, गांव में खुशी

इस किताब को मैं स्वास्थ्योपनिषद कहना चाहता हूं: पद्मभूषण रामबहादुर राय

संजना भारती संवाददाता

सिवान। जिले के हसनपुरा प्रखंड के रजनपुरा के रहने वाले स्वास्थ्य सेवी आशुतोष कुमार सिंह ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। क्वालिटी हेल्थ पर हाल ही में लिखी गई उनकी किताब डॉ. जे एल मीनाः पीएचसी से एनएमसी तक की देश भर में खूब सराहना हो रही है।

नई दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में पद्मभूषण रामबहादुर राय, ब्रिटेन से आए प्रवासी लेखक डॉ. तेजेन्द्र शर्मा, भारतीय विश्वविद्यालय संघ के संयुक्त सचिव डॉ. आलोक कुमार मिश्र, एनएबीएल के निदेशक डॉ. पंकज जौहरी, पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट के निदेशक प्रो. राजकुमार, डॉ जे एल मीना एवं लेखक आशुतोष कुमार की 90 वर्षीय माता जासमति देवी ने किया संयुक्त रूप से इसका लोकार्पण किया।

उबलब्धि पर रजनपुरा में भी खुशी का माहौलः आशुतोष की उपलब्धि से गांव और परिवार के लोगों में काफी खुशी है। बड़े भाई चंद्रशेखर सिंह ने कहा कि यह हमारे गांव ही नहीं बल्कि पूरे जिला के लिए गौरव की बात है कि यहां का लाल देश-दुनिया में अपना नाम रौशन कर रहा है। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ी बात की इतने बड़े मंच पर आशुतोष ने मां को भी बैठाया। समाजसेवी विपिन कुमार सिंह ने भी इसकी सराहना की।

इस किताब को मैं स्वास्थ्योपनिषद कहना चाहता हूंः पद्मभूषण रामबहादुर रायः लोकार्पण समारोह में अपना अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए पद्मभूषण रामबहादुर राय ने कहा कि ह्यहमारे यहां प्राचीन काल से ही ज्ञान के भंडार उपनिषदों की चर्चा होती आयी है। उसमें से एक है प्रश्नोपनिषद। इसी तर्ज पर आशुतोष कुमार सिंह ने डॉ. जे एल मीना से बातचीत कर स्वास्थ्य से जुड़े तमाम पक्षों को समझने की कोशिश की है। इस किताब को स्वास्थ्योपनिषद कहना चाहता हूं। उन्होंने इस पुस्तक को हिंदी में अपनी तरह की पहली पुस्तक बताया और कहा कि कोरोना काल के बाद स्वास्थ्य को लेकर सजगता आयी है और जनअभियान बनता जा रहा है।

डाइट, रहन-सहन और योग से 90 फीसद रोग पर होगा काबू

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और प्रवासी लेखक डॉ. तेजेन्द्र शर्मा ने कहा कि स्वास्थ्य में क्वालिटी कल्चर डेवेलप करने के लिए सरकार को पहले सख्त नियम बनाने पर बल दिया। वहीं वल्लभ भाई पटेल चेस्ट इंस्टीच्युट के निदेशक प्रो. राजकुमार ने कहा कि मरीज को सहजता से जल्द हेल्थकेयर मिलना बहुत जरूरी है। अगर डाइट, रहन-सहन और योग पर फोकस हो तो 80 से 90 फीसद रोग को काबू किया जा सकता है। इस कार्यक्रम में धीप्रज्ञ द्विवेदी ने विषय प्रवेश कराया। जबकि संजीव कुमार सिंह ने धन्यवाद दिया। वहीं मंच का संचालन सिवान के रहने वाले भोजपुरी के लोकप्रिय कवि मनोज सिंह भावुक ने किया।

हर घर हर गृहणी योजना का पात्र गृहणियों को 500 रुपए में मिलेगा गैस सिलैण्डरः उपायुक्त

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजेश कुमार

पंचकूला। उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने कहा कि जिले के सभी पात्र और जरूरमंद परिवारों को सरकार की हर घर हर गृहणी योजना का लाभ मिलना चाहिए। इसके लिए जागरूकता शिविरों का आयोजन किया जाए। एक भी पात्र बीपीएल अंत्योदय परिवार की गृहणी योजना के लाभ से वंचित नहीं रहनी चाहिए।

उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा शुरू की गई हर घर- हर ग्रहणी योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के जीवन में बडा बदलाव लाने की दिशा में महत्वपूर्ण योजना है। यह महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए भी लागू की गई है। इस योजना के तहत पात्र परिवार 500 रुपए में गैस सिलैण्डर प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि जिला में बीपीएल व

अंत्योदय परिवारों इस योजना के अंतर्गत पंजीकरण करवाया जाना है। इसलिए इस योजना का लाभ अधिक से अधिक पात्र परिवारों तक पहुंचाने के लिए वार्ड व गांव अनुसार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जाएं, ताकि कोई भी पात्र लाभार्थी इस योजना से वंचित न रह सके। उन्होंने कहा कि पात्र परिवारों (बीपीएल तथा एएवाई) को यह भी जागरूक किया जाए कि वे अपने नजदीक लगते सीएससी सेंटर (अटल सेवा केन्द्र) में जाकर हर घर-हर ग्रहिणी योजना के तहत अपना रजिस्ट्रेशन करवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि इसके अलावा पात्र परिवार आनलाईन पंजीकरण के लिए https://epds.haryanafood.gov.in पोर्टल पर जाकर अपने परिवार पहचान पत्र संख्या के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की स्थिति बारे जांच भी इसी पोर्टल पर की जा सकती है। उन्होंने बताया कि अपने फोन के माध्यम से घर से भी अपना पंजीकरण कर सकते हैं।

इस संदर्भ में यदि किसी व्यक्ति को शिकायत है तो वे अतिरिक्त उपायुक्त कार्यालय अथवा जिला खाद्य एवं पूर्ति नियंत्रक कार्यालय में संपर्क कर सकते है।

नौकरी दिलवाने के नाम पर धोखाधडी कर 2.50 लाख ऐठने वाले 2 आरोपी काबू, आरोपी पुलिस रिमांड पर

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजेश कुमार

पंचकूला। आजकल आए दिन युवाओं के साथ नौकरी दिलाने को लेकर धोखाधड़ी के मामले देखने को मिल जाते हैं। जिसमे युवाओं को लुभावने विज्ञापन फोन कॉल आदि के जरिए नौकरी दिलाने का झांसा देकर ठग्गी का शिकार बनाया जा रहा है। ऐसे ही एक मामले में पंचकूला पुलिस ने नौकरी दिलवाने के नाम पर धोखाधडी कर 2.50 लाख ऐठने वाले 2 आरोपियों को काबू किया है।

पुलिस को दी शिकायत में पीडिता वर्षा पुत्री सुखराम वासी इंडस्ट्रियल फेस 2 पंचकूला ने बताया कि उसके पापा की चाय की दुकान है जहां 2 व्यक्ति अक्सर चाय पीने आते थे उन्होने उनके पापा को वर्षा की पंचकूला में नौकरी लगवाने की बात कही। जिसके बदले में उन्होने पीड़िता के परिवार से ढाई लाख रुपये ले लिए। जब नौकरी नहीं लगवाई तो पीड़ित परिवार ने रुपये वापस मांगे तो उन्होनें

मना कर दिया और धमकी भी देने लगे। पीडिता ने इसकी शिकायत थाना सेक्टर में दी जहां आईपीसी की धारा 406, 420, 467, 468, 471 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया। इस मामले में थाना सेक्टर 20 में तैनात सहायक उप निरीक्षक जगपाल सिंह ने पीड़िता की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों का काबू कर लिया है। पुलिस ने 26 जनवरी को आरोपी ओमप्रकाश पुत्र खिलवान वासी मौली जांगरा चंडीगढ को गिरफ्तार कर 2 दिन का पुलिस रिमांड हासिल किया था। रिमांड के दौरान आरोपी ओमप्रकाश की निशानदेही पर अगले दिन दुसरे आरोपी सुरेश यादव पुत्र रामकरण यादव वासी गांव रामगढ़ पंचकूला को भी सेक्टर-5 पंचकूला से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी सुरेश यादव को भी 2 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। पुलिस ने आरोपी ओमप्रकाश से 20000 रुपये बरामद किए है। रिमांड के दौरान दूसरे आरोपी सुरेश से बकाया राशि रिकवर की जाएगी।

केंद्रीय राज्य मंत्री ने किया गौशाला का लोकार्पण

एसबी ब्यूरो प्रमुख इंतजार हुसैन

बदायूँ। केंद्रीय राज्यमंत्री बी0एल0 वर्मा ने मंगलवार को सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता, जिलाधिकारी निधि श्रीवास्तव के साथ नगर पंचायत वजीरगंज क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गुठेला में नवनिर्मित कान्हा गौशाला का लोकार्पण किया। केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार निराश्रित गौवंशों के संरक्षण पर अनुकरणीय कार्य कर रही है। उन्होंने गौशाला का निरीक्षण कर की गई व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। करीब एक एकड़ से अधिक के क्षेत्र में फैली यह गौशाला रूपए 01 करोड़ 61 लाख की लागत से बनाई गई है। यहां 200 से अधिक निराश्रित गोवंशों का संरक्षण किया जा सकता है।

केंद्रीय राज्यमंत्री बी0एल0 वर्मा ने कहा कि मा0 प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार निरंतर अनेकों विकासपरक कार्य कर रही है। राशन कार्ड धारकों को पी0ओ0पी0 मशीन के माध्यम से राशन दिया जा रहा है। निष्पक्षता व पारदर्शिता से योजनाओं का लाभ लाभार्थियों तक पहुंचा जा रहा है। उन्होंने बताया कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री कहा करते थे कि उनकी सरकार जब एक रुपए किसी लाभार्थी को भेजती है तो उसके पास दस पैसे ही पहुंचते हैं, लेकिन आज की वर्तमान सरकार में अगर 01 रुपए भेजे जाते हैं तो लाभार्थी के पास 01 रुपए ही पहुंचते हैं क्योंकि सब पारदर्शिता के साथ डी0बी0टी0 के माध्यम से भेजा जाता है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार योगी जी के नेतृत्व में उत्तरोत्तर वृद्धि कर रही है, निराश्रित गोवंशों का संरक्षण प्राथमिकता पर कराया जा रहा है। सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता ने कहा कि भारत विश्व गुरु बनेगा। उन्होंने कहा कि अच्छा सोचो तो अच्छा होगा आज नहीं तो कल होगा।

जिलाधिकारी निधि श्रीवास्तव ने कहा कि वजीरगंज क्षेत्र के ग्राम हथरा से मुरैना रोड पर ग्राम गुठेला में मंगलवार को गौशाला का लोकार्पण किया गया। यह गौशाला रूपए 01 करोड़ 61 लाख की लागत से बनाई गई है। इसका कार्य सितंबर 2024 के मध्य में प्रारंभ हुआ था। गौशाला करीब एक एकड़ से अधिक के क्षेत्र में फैली है। यहां 200 से अधिक निराश्रित गोवंशों का संरक्षण किया जा सकता है। वर्तमान में 21 निराश्रित गोवंश गौशाला में संरक्षित हैं। अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत वजीरगंज अखिलेश कुमार ने जानकारी देते बताया कि वर्तमान में कान्हा गौशाला में 21 निराश्रित गोवंश संरक्षित हैं।

सर्वप्रथम इसमें वजीरगंज व सैदपुर नगर पंचायत के निराश्रित गोवंशों को रखा जाएगा तथा अन्य नगर पालिका, नगर पंचायत व ग्राम पंचायत के निराश्रित गोवंशों को भी रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि गौशाला में पेयजल व्यवस्था, शेड व्यवस्था, निकलने के लिए कच्चा मार्ग, ठंड से बचाव के लिए अलाव, झूल आदि का की व्यवस्था है साथ ही पर्दे भी लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस कान्हा गौशाला में गोबर से गोबर बायोगैस का निर्माण भी किया जाएगा। इस अवसर पर अपर जिला अधिकारी प्रशासन अरुण कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

हीमोफीलिया और थैलीसीमिया से पीड़ित लोगों को दी जाने वाली पेंशन के लिए आयु सीमा को किया समाप्तः कुमारी आरती सिंह राव

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री कुमारी आरती सिंह राव ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के लोगों को सस्ता और सुलभ ईलाज देने के लिए प्रयासरत है, पिछले 100 दिनों में वर्तमान सरकार ने स्वास्थ्य को लेकर अनेक खास निर्णय लिए हैं। उन्होंने यहां जानकारी देते हुए बताया कि अब हीमोफीलिया और थैलीसीमिया से पीड़ित लोगों को दी जाने वाली पेंशन के लिए 18 वर्ष की आयु सीमा को समाप्त कर दिया गया है, उक्त दोनों बिमारियों से पीड़ित व्यक्तियों को 3,000 रुपए प्रति माह पेंशन दी जाएगी, यह पेंशन किसी भी अन्य पेंशन के अतिरिक्त होगी।

कुमारी आरती सिंह राव ने आगे बताया कि वर्तमान सरकार ने 18 अक्तूबर, 2024 को राज्य में किडनी के रोग से पीड़ितों को मुफ्त डायलिसिस की सेवाएं प्रदान करने की शुरूआत कर दी है , यह स्वास्थ्य के क्षेत्र में अहम कदम है। मात्र 3 माह में ही इस स्वास्थ्य-सुविधा का करीब 20 हजार लोग लाभ उठा चुके हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रदेश को दिसंबर 2025 तक टीबी मुक्त बनाने के लिए गत 7 दिसंबर को पंचकूला से जिस '100 दिवसीय टीबी उन्मूलन अभियान' की शुरूआत की गई

प्रदेश सरकार ने 100 दिनों में स्वास्थ्य को लेकर लिए अनेक खास निर्णय

थी उस पर राज्य में तेजी से कार्य किया जा रहा है और हम निर्धारित तिथि तक लक्ष्य अवश्य हासिल कर लेंगे। उन्होंने स्वास्थ्य क्षेत्र में किये गए अन्य कार्यों का उल्लेख करते हुए बताया कि नारनौल में 6.57 करोड़ रुपए की लागत से ट्रॉमा सेंटर का निर्माण किया गया है। रेवाड़ी के बोहतवास अहीर में पीएचसी का निर्माण 6.80 करोड़ रुपए की लागत से किया गया है। उन्होंने बताया कि अब तक 57 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले 83 उप-स्वास्थ्य केंद्रों व 22 ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट बनाने की मंजूरी दी गई है।

शहर की बेहतर सफाई व्यवस्था को लेकर निगमायुक्त गम्भीर, कर रही औचक निरीक्षण

गंदगी मिलने पर शराब ठेके के संचालक पर लगाया 5000 रुपये जुर्माना

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। स्वच्छ सर्वेक्षण के नतीजों में शीर्ष स्थान अर्जित करने को लेकर नगर निगम आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा गम्भीर हैं। इसे लेकर शहर की साफ-सफाई को ओर बेहतर करने के लिए वह लगातार शहर के दौरे कर रही हैं। दौरे में उनके साथ अतिरिक्त निगम आयुक्त अशोक कुमार भी मौजूद रहे।

मंगलवार को दौरे में उन्होंने सफाई के लिए विभाजित किए गए जोन नम्बर 2, 3 व 4 के रेलवे रोड़, कैथल रोड, शिव कॉलोनी व प्रेम नगर में जाकर साफ-सफाई व कूड़ा एकत्रीकरण को चैक किया। इस दौरान उन्होंने अलग-अलग बीट का दौरा कर गलियों, प्लॉटों व सडकों की सफाई को चेक किया और सम्बंधित दरौगा को निर्देश दिए कि साफ-सफाई को ओर अधिक बेहतर किया जाए। इस दौरान उन्होंने दरौगा, सुपरवाईजर व सफाईकर्मियों के हाजिरी रजिस्टरों की भी जांच की। हाजिरी के अनुसार सभी कर्मचारी ड्यूटी में मौजूद मिले।

निगमायुक्त ने दरौगाओं को निर्देश दिए कि सभी सफाईकर्मी में वर्दी पहनकर ही ड्यूटी पर आएं। अगर कोई बिना वर्दी के आए तो उसकी अनुपस्थिति लगाई जाए। उन्होंने कहा कि सभी सफाईकर्मियों को वर्दी वितरित की जा चुकी है, सभी

वर्दी पहनकर ही आएं। उन्होंने डोर टू डोर कूड़ा एकत्रीकरण को देखने के लिए टिप्पर के साथ-साथ पैदल चली। गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग लिया जा रहा है या नहीं, इसे भी देखा। इस दौरान उन्होंने स्थानीय निवासियों से बात कर साफ-सफाई व कूड़ा एकत्रीकरण की फीडबैक भी ली। इसके पश्चात उन्होंने प्रेम नगर स्थित रैन बसेरे का निरीक्षण किया और साफ-सफाई चैक की।

शराब ठेके पर लगाया 5000 रुपये जुर्माना-कैथल रोड के निरीक्षण के दौरान पेट्रोल पम्प के नजदीक मौजूद शराब ठे-के के बाहर बोतल, गिलास, खाद्य पदार्थ के रैपर इत्यादि बिछरे मिले, जिसे देखकर निगमायुक्त ने अतिरिक्त निगम आयुक्त को सम्बंधित ठेके के संचालक पर 5 हजार रुपये जुर्माना लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने सफाई निरीक्षक को निर्देश दिए कि रोजाना यहां की सफाई चैक की जाए। अगर गंदगी मिले तो रोजाना चालान किया जाए।

निगमायुक्त की नागरिकों से अपील-निगमायुक्त ने नागरिकों से शहर की बेहतर साफ-सफाई बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि सफाई करने से नहीं बल्कि रखने से होती है। उन्होंने कहा कि वह कचरे को सडक पर या इधर-उधर न फैंके, बल्कि उसे कचरा संग्रहण वाहन या डस्टबिन में ही डालें। गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग रखें, ताकि उसका उचित निस्तारण किया जा सके। उन्होंने कहा कि नागरिकों को, न गंदगी करेंगे और न ही किसी को करने देंगे का संकल्प लेना चाहिए।

डॉ कृपा राम पूनिया के निधन होने पर प्रदेश भर से लोग उनके घर शोक प्रकट करने पहुँच रहे हैं

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजेश कुमार

पंचकूला। डॉक्टर कृपा राम पूनिया पूर्व उद्योग मंत्री हरियाणा के निधन होने पर उनके परिवार के सदस्यों का ढाढस बढ़ाने एवं शोक प्रकट करने जजपा पंचकुला के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं वरिष्ठ जजपा नेता ओ पी सिहाग, वरिष्ठ नेता तेज सिंह तेवतिया, केसी भारद्वाज, सुरिन्दर चड्ढा, ईश्वर सिंहमार, डॉ किशोर कुमार बीजेपी वरिष्ठ नेता उनके सेक्टर 17 पंचकुला स्थित निवास स्थान पर पहुँचे।

इस अवसर पर जजपा नेता ओ पी सिहाग ने उनकी पुत्र वधु जजपा नेत्री किरण पूनिया तथा उनके बेटे सुनील पूनिया को ढाढस बढ़ाते हुए कहा कि उन लोगों को डॉ पूनिया के दिखाए रास्ते पर चलते हुए उनके सपनो को पूरा करने लिये पूरे प्रयास करने होंगे। उल्लेखनीय है कि डॉ कृपा राम पूनिया

जिनकी उम्र लगभग 90 साल थी का 19 जनवरी 2025 की रात को पारस हस्पताल पंचकुला में इलाज कराने के दोरान निधन हो गया था। डॉ पूनिया प्रदेश की राजनीति के बहुत बड़े चेहरा थे उनके निधन पर शोक व्यक्त करने तथा परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवदेना प्रकट करने प्रदेश भर से काफी संख्या में आम लोग, ब्यूरोक्रेसी के लोग तथा विभिन्न राजनीतिक दलों के लोग पहुँच रहे हैं। उनके परिवार के सदस्यों द्वारा 31 जनवरी को रेड विशप पंचकुला में उनको अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु एक शोक सभा आयोजन किया जा रहा है। जिसमें प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला सहित काफी बड़ी संख्या में विभिन्न राजनीतिक दलों, किसान मजदूर संगठनों, सामजिक संगठनों तथा राज्य अफसर शाही के लोग पहुँचेंगे।

सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। डीसी प्रीति के निदेर्शानुसार मंगलवार को एमडीएन पब्लिक स्कूल कलायत में ड्राइविंग ट्रेनिंग संस्थान कैथल, आरटीए कैथल तथा ट्रैफिक पुलिस कैथल के द्वारा चलाए जा रहे सड़क सुरक्षा अभियान के तहत सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में ट्रैफिक एसएचओ कैथल राजकुमार राणा, आरटीए ट्रांसपोर्ट इन्चार्ज मेघराज, आईडीटीआर ट्रेनिंग मैनेजर पुनीत धीमान, इंस्ट्रक्टर जरनैल सिंह द्वारा बच्चों को सड़क सुरक्षा नियमों व दुर्घटनाओं से बचाव के टिप्स दिए। ट्रैफिक एसएचओ राजकुमार ने सड़क सुरक्षा के नियमों के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि जीवन अनमोल है तथा यातायात के नियमों का पालन कर-के हम स्वयं को सुरक्षित रखने के साथ-साथ दूसरों के जीवन को भी सुरक्षित रख सकते है। हमें दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनना चाहिए। हेलमेट आपके जीवन कवच है। इस कार्यक्रम में बच्चों को विभिन्न संकेतो के माध्यम जैसे जेबरा क्रॉसिंग, लाल बत्ती, हरी बत्ती, पिली बत्ती, नो पार्किंग इत्यादि कि जानकारी दी गई। आईडीटीआर इंस्ट्रक्टर जरनैल ने कहा कि जान है तो जहान है। इसलिए हमेशा यातायात के नियमों का पालन करना चाहिए। नशे से दूर रहना चाहिए और अपनी ऊर्जा को शिक्षा एवं खेलकूद आदि गतिविधियों में इस्तेमाल करनी चाहिए।

मेघराज ने बच्चों को प्रेरित किया कि अपने माता पिता का ट्रैफिक नियमों का पालन करने के बारे कहे। उन्हें बताए कि हमें ट्रैफिक सिग्नल का पालन करना चाहिए, ओवर स्पीड में वाहन नहीं चलाएं, जेब्रा क्रासिंग का सही उपयोग करें, दो पहिया वाहन चालक हेलमेट का उपयोग जरूर करें, शराब पीकर वाहन न चलाएं, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करें, सड़क पर लगे संकेतों का पालन करें, धीमी गति के संकेत को गंभीरता से लें।

प्रजनन और महिलाओं के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए पीएम सुरक्षा मातृत्व दिवस मनाया

एसबी संवाददाता

पंचकुला। पीएम सुरक्षा मातृत्व दिवस के अवसर पर प्रजनन और महिलाओं के स्वास्थ्य पर फोकस करने के उद्देश्य से सिविल अस्पताल में व्यापक स्तर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य माताओं और समुदाय को स्वस्थ माँ और शिशु के लिए आवश्यक स्वास्थ्य प्रथाओं के बारे में शिक्षित और सशक्त बनाना रहा।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डॉ. मुक्ता कुमार ने मातृ और शिशु स्वास्थ्य में सुधार के उद्देश्य से चल रहे कार्यक्रमों का विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने रचनात्मक और प्रभावशाली पपेट शो की सराहना की, जिसने महत्वपूर्ण स्वास्थ्य संदेशों को

प्रभावी ढंग से संप्रेषित किया। पपेट शो में जन्म से पहले पंजीकरण करवाना, पोषण अनुपूरण, नियमित फॉलो-अप, परिवार नियोजन, स्तनपान, अस्पताल में प्रसव पर आधारित रह। यह इंटरैक्टिव पपेट प्रदर्शन अत्यधिक सफल रहा, जिसने दर्शकों के साथ अच्छी प्रतिक्रिया प्राप्त की और इन स्वास्थ्य प्रथाओं के महत्व को सुलभ और मनोरंजक तरीके से मजबूत किया।

कार्यक्रम में स्वस्थ माताओं और स्वस्थ शिशुओं के लिए स्वस्थ पोषण पर डीटी कविता ने प्रेरणादायक वक्तव्य दिया जिन्होंने गर्भवती माताओं के लिए समर्पित व्यापक आहार योजनाओं को साझा किया। संतुलित पोषण के महत्व पर बल देते हुए, डीटी कविता ने मातृ स्वास्थ्य और भ्रूण विकास का समर्थन करने वाले आहार बनाए रखने के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी।

कार्यक्रम में मेघा ने शारीरिक रूप से सक्रिय रहने के रोचक तरीके पर एक सजीव सत्र का संचालन किया। उन्होंने गर्भवती महिलाओं के लिए उपयुक्त विभिन्न शारीरिक गतिविधियों का विस्तार से परिचय दिया, जिसमें नृत्य और चलना शामिल रहा, जो शारीरिक कल्याण को बढ़ाते हुए बेहतर सुरक्षा प्रदान करता है।

प्रसिद्ध मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट, डॉ. सुभा मित्तल ने सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग और एचपीवी टीकाकरण के महत्व पर दर्शकों को संबोधित किया। प्रारंभिक पहचान और रोकथाम के महत्व को उजागर करते हुए, डॉ. मित्तल ने नियमित पाप स्मीयर टेस्ट और लड़कियों के समय पर एचपीवी के खिलाफ टीकाकरण की आवश्यकता पर विशेष बल दिया, जो सर्वाइकल कैंसर का प्रमुख कारण है। उन्होंने कहा कि जनवरी माह को सर्वाइकल कैंसर जागरूकता अभियान के रूप मनाया जाता है।

पीएमओ डॉ. रीता कालरा ने सभी उपस्थित लोगों से पाप स्मीयर कराने और सुरक्षित रहने का आग्रह किया। डॉ. कालरा ने कहा, 'प्रारंभिक पहचान जीवन बचाती है। इसलिए हर महिला से आग्रह है कि वे नियमित स्क्रीनिंग और टीकाकरण के माध्यम से अपने स्वास्थ्य के प्रति सक्रिय कदम उठाएं।'

DECLARATION ABOUT CRIMINAL CASES FORMAT C-1

(As per the judgment dated 25th September, 2018, of Hon'ble Supreme Court in WP (Civil) No.53601 2011 (Public Interest Foundation & Ors. Vs. Union of India & Amr.)

Name and address of candidate: G Thulaseedharan, - 122, DDA Janta Flat, Pocket-6, Plot No. 4-5, Nasirpur, New Delhi

Name of Political party: PEOPLES GREEN PARTY

Name of Election: Assembly Election 2025, NCT of Delhi

Name of Constituency : AC-33, Dwarka (General)

I, G THULASEEDHARAN a candidate for the above mentioned election, declare for public information the following details about my criminal antecedents:

A. PENDING CRIMINAL CASES

Sl No	Name of Court	Case No and dated	Status of Case (S)	Section(S) of Acts concerned and Brief description of offence(s)
1	Judicial Magistrate First Class (Mahila Court-02) Patiala House N.Delhi	3763/2019 FIR No 109 Dated 07.04.2018	Prosecution Evidence	354, 506, 323

B. DETAILS ABOUT CASES OF CONVICTION FOR CRRIMINAL OFFENCES

S. No	Name of Court & Date (S) of Order(s)	Description of office (s) & punishment imposed	Maximum punishment imposed
NO	NO	NO	NO

प्रदेश सरकार द्वारा हर क्षेत्र और हर वर्ग के हित में चलाई जा रही है योजनाएं: श्याम सिंह राणा

मंत्री ने रादौर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों का किया दौरा

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण, मत्स्य व पशुपालन मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने यमुनानगर के गांव भागु माजरा, खेड़ी लक्खा सिंह, नगला सादान, बैंडी, कुंजल जटान, हाफिजपुर, ईस्माइलपुर तथा टोपरा कलां का धन्यवादी दौरा कर हलके की जनता का आभार व्यक्त किया। विधानसभा क्षेत्र के गांवों में पहुंचने पर गांवों के लोगों ने उनका पुष्प गुच्छ व फूल-मालाएं पहनाकर जोरदार स्वागत किया।

कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि बच्चों के लिए पढ़ाई के साथ-साथ खेलों का भी महत्व है। उन्होंने कहा कि बच्चों को पढ़ाओं और उन्हें बुरी आदतों, नशा आदि से बचाओ। उन्होंने गांव के सरपंचों को लाइब्रेरी बनाने के लिए प्रेरित किया। बच्चे अगर अच्छा पढ़ेंगे तो उन्हें बिना खर्ची-बिना पर्ची के अच्छी नौकरी मिल सकती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सभी वर्गों को साथ लेकर हरियाणा को और आगे ले जाने का काम किया जाएगा। प्रदेश सरकार हर वर्ग के उत्थान के लिए कृतसंकल्प है। हमारी सरकार ने अपने शासनकाल में सभी विधानसभा क्षेत्रों में बिना किसी भेदभाव के विकास कार्य करवाए हैं और आगे भी इसी नीति पर चलते हुए विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर करवाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि जो विकास कार्य रह गए है या अधूरे पड़े हैं उन सभी विकास कार्यों को जल्द पूरा कर दिया जाएगा ताकि जनता को उनका लाभ मिल सकें। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा हर क्षेत्र में हर वर्ग के हित में योजनाएं बनाई जा रही है तथा महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में भी विशेष रूप से कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने सभी को भाई-चारे और एकता के साथ रहने का संदेश दिया।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने कहा कि जिस विश्वास व उम्मीद के साथ हलके की जनता ने उन्हें प्यार व मान-सम्मान देकर अपना जनप्रतिनिधि चुना है उसका वे दिल से धन्यवाद करते हैं और वे हलके की जनता को विश्वास दिलाते हैं कि वे जनता के विश्वास व उनकी उम्मीदों पर खरा उतरेंगे और विकास कार्यों में कमी नहीं आने देंगे। उनका ध्येय जनता की समस्याओं के समाधान एवं हलके में अधिक से अधिक विकास कार्य करवाने पर रहेगा। उन्होंने कहा कि यह मेरी जीत नहीं बल्कि हलके की जनता की जीत है। उन्होंने इस दौरान लोगों की समस्याएं भी सुनी और उनका शीघ्र समाधान करवाने का आश्वासन भी दिया।

निराश्रित बच्चों को पेंशन योजना के तहत सरकार हर माह दे रही 1850 रुपये की वित्तीय सहायता: उपायुक्त

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि जिला में 21 वर्ष तक की आयु का बच्चा जो अपने माता-पिता की सहायता अथवा देखभाल से उनकी मृत्यु होने के कारण, अपने पिता के घर से पिछले 2 वर्ष की अवधि से अनुपस्थित होने के कारण अथवा माता-पिता के लम्बी सजा, जोकि एक वर्ष से कम न हो या मानसिक व शारीरिक अक्षमता के कारण वंचित हो जाते हैं और जिनके माता-पिता, अभिभावक की सभी साधनों से वार्षिक आय दो लाख से अधिक नहीं है। वह बच्चा हरियाणा सरकार के सामाजिक न्याय एवं सहकारिता विभाग द्वारा दी जा रही वित्तीय सहायता का लाभ पात्र है। उन्होंने बताया कि उपरोक्त विभाग द्वारा एक परिवार में दो बच्चों तक 1850 रुपये प्रति माह प्रति बच्चा पेंशन प्रदान की जा रही है।

उन्होंने बताया कि उपरोक्त स्कीम का लाभ लेने के इच्छुक व्यक्ति के पास बेसहारा होने का प्रमाण पत्र, बच्चों के स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र व

आवेदक का 5 वर्ष या उससे अधिक की अवधि का हरियाणा राज्य में निवासी होने का दस्तावेज जैसे कि फोटोयुक्त वोटर कार्ड या राशन कार्ड आदि की स्वयं सत्यापित फोटो प्रति सहित परिवार पहचान पत्र होना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि आवेदक के पास यदि उपरोक्त दस्तावेजों में से कोई दस्तावेज नहीं है, तो वह कोई अन्य प्रमाण पत्र सहित 5 वर्ष से हरियाणा में रिहायश का हलफनामा दे सकता है।

प्राथमिक स्तर पर बच्चों में बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान को करें सुनिश्चित: एडीसी

एडीसी की अध्यक्षता में निपुण हरियाणा योजना के अंतर्गत बैठक का आयोजन

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। अतिरिक्त उपायुक्त दीपक बाबू लाल करवा ने कहा कि शिक्षा विभाग निपुण योजना के तहत बनाई गई कमेटी के अंतर्गत समय पर बैठक करवाना सुनिश्चित करें। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य प्राथमिक स्तर के बच्चों में बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान को सुनिश्चित करना है। इसलिए संबंधित विभागों के अधिकारी स्कूलों में दौरा करते समय निपुण विषय के तहत पूर्ण जानकारी हासिल करें।

अतिरिक्त उपायुक्त दीपक बाबू लाल करवा मंगलवार को लघु सचिवालय में निपुण हरियाणा एफएलएन विषय पर गठित कमेटी के सदस्यों की बैठक में सदस्यों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि इस कमेटी में मुख्य डिस्ट्रिक्ट मिशन डायरेक्टर के तौर पर उपायुक्त, सदस्यों में जिला परिषद के चेयरमैन, अतिरिक्त उपायुक्त, सिविल सर्जन, नगर परिषद आयुक्त, जिला शिक्षा अधिकारी, डीआईटी प्रिंसीपल, जिला बाल कल्याण अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग की कार्यक्रम अधिकारी, डीआईपीआरओ, जिला एफएलएन कोर्डिनेटर, एनजीओ सदस्य के रूप में तथा जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सदस्य सचिव शामिल हैं। उन्होंने कहा कि निपुण हरियाणा का उद्देश्य बच्चों को पढ़ने, लिखने और बुनियादी गणितीय कौशल विकसित करना तथा सभी बच्चों को शिक्षित बनाना है, ताकि वे जटिल विषयों को समझने और सीखने में सक्षम हो। इस मौके जिला परिषद के चेयरमैन कर्मबीर कौल ने कहा कि स्कूलों में एक विशेष योजना जिला परिषद सदस्यों द्वारा बनाई जाएगी। सदस्य दौरा कर एक रिपोर्ट बनाएंगे। पुलिस व स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर सेनेटिरी पेड वितरित किए जाएंगे।

डीईओ रामदिया, डीईईओ सरोज, महिला एवं बाल विकास विभाग की कार्यक्रम अधिकारी गुरजीत कौर, डीसीडब्ल्यूओ बलबीर चौहान, कार्यकारी अभियंता रवि ऑबराय, ब्लॉक समिति के चेयरमैन विनोद कुमार के अलावा अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

परीक्षा के समय तनाव प्रबंधन विषय पर सेमिनार का आयोजन

परीक्षाओं के परिणाम जीवन के अंतिम परिणाम नहीं: अनिल मलिक

एसबी संवाददाता

कैथल। हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की राज्य स्तरीय परियोजना बाल सलाह, परामर्श एवं कल्याण केंद्र की स्थापना के अंतर्गत मंगलवार को ढांड रोड स्थित इंदिरा गांधी सीनियर सेकंडरी पब्लिक स्कूल में किशोरावस्था में ध्यान भटकने (व्यवधान) के कारण परीक्षा के समय तनाव प्रबंधन विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में उपस्थित किशोर विद्यार्थियों एवं उनके शिक्षकों को मुख्य वक्ता के तौर पर पहुंचे मंडलीय बाल कल्याण अधिकारी रोहतक एवं राज्य नोडल अधिकारी अनिल मलिक ने संबोधित करते हुए कहा कि परीक्षा कैसी होगी, परिणाम कैसा रहेगा, ग्रेड या अंक कितने हासिल होंगे ऐसे बहुत से सवाल विद्यार्थियों को परेशान करने लगते हैं, लेकिन सवाल यह है कि समाधान क्या हो।

अनिल मलिक ने बताया कि सबसे पहले तो किशोरावस्था के दौरान मन के भटकाव, अध्ययन करते हुए एकाग्रता का अभाव आदि व्यवधान जो होते हैं उनको समझना होगा। हार्मोन बदलाव और भावनात्मक विकास की उम्र है दोस्तों की प्रवृति और संगति को समझना होगा, आपका सामाजिक माहौल कैसा है उसे सही से समझकर परिवर्तन के सार्थक प्रयास करने होंगे, अपनी रुचियां और आदतों को सही से जानना होगा। आपकी खूबियां क्या हैं, विशेषता क्या है, कमजोरी क्या है, जानें और आवश्यकता अनुसार सुधारें। ऊर्जा अगर घट रही है, व्यर्थ हो रही है तो कारण समझ में आना चाहिए। परीक्षा की घड़ी जैसे-जैसे नजदीक आती है चिंता का स्तर बढ़ता है समझ नहीं आ रहा या तैयारी नहीं की है या अन्य कोई और कारण। सही से अगर समझें तो पढ़ाई बोझ बढ़ाने के लिए नहीं बोझ को हल्का करने के लिए होती है।

जिला बाल कल्याण अधिकारी बलबीर सिंह चौहान ने बताया कि अगर विद्यार्थी शैक्षणिक स्तर के शुरूआत से ही विषयों को समझते हुए आगे बढ़े तो परीक्षा का समय ज्यादा कठिन महसूस नहीं होगा। उपप्राचार्य श्रीमती रंजू गुप्ता ने बताया कि आज के सेमिनार के उपरांत महसूस होता है कि विद्यार्थियों का बढ़ रहा मानसिक दबाव, चिंता और तनाव कुछ हद तक कम होगा, साथ ही उन्हें अपनी कमियां जांचने और सुधारने का अवसर मिलेगा।

कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में पहुँचे यातायात एवं महिला थाना इंचार्ज उप पुलिस अधीक्षक सुशील प्रकाश ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए यातायात की अनुपालना के साथ महिला एवं बाल सुरक्षा जैसे संवेदनशील मुद्दों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विशेष उपस्थिति राज्य बाल कल्याण परिषद के आजीवन सदस्य नीरज कुमार, जिला बाल कल्याण विभाग से सहायक कार्यक्रम अधिकारी कांता चहल, सुशील, ऋषिराज, मनीष के साथ-साथ सभी अध्यापक मौजूद रहे।

योग को हमें अपनी जीवन शैली का हिस्सा बना लेना चाहिए: डॉ रेखा शर्मा

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असंध। जीवन चानन महिला महाविद्यालय के प्रांगण में सूर्य नमस्कार योग का अभ्यास किया गया। जिसमें 100 छात्राओं की भागीदारी रही। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ रेखा शर्मा ने कहा कि 12 जनवरी स्वामी विवेकानंद जयंती पर शुरू हुआ यह अभियान 12 फरवरी महर्षि दयानंद सरस्वती जयंती तक पूरे जोश व उत्साह के साथ चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि योग को हमें अपनी जीवन शैली का हिस्सा बना लेना चाहिए।

सूर्य नमस्कार करने से शरीर में रक्त संचार बेहतर होता है, पाचन तंत्र सुधार आता है और मांसपेशियां मजबूत होती है। इससे तनाव कम होता है और मन

जीवन चानन महाविद्यालय में छात्राओं को कराया सूर्य नमस्कार योग का अभ्यास

शांत रहता है। इस अवसर पर योग की नोडल अधिकारी डॉ हेमलता शर्मा ने कहा कि योग हमारे शरीर को मजबूत और लचीला बनाता है और हमें शारीरिक रूप से स्वस्थ रखने में मदद करता है। योग हमारे मन को शांत और एकाग्र बनाता है और हमें मानसिक रूप से स्वस्थ रखने में मदद करता है।

इस अवसर पर के.डी. शर्मा, मनीषा फौगाट, सुषमा, निधि, अदिति, बीना सिंह, रिद्धि आदि उपस्थित रहे।

असंध से प्रयागराज महाकुंभ स्नान के लिए सैकड़ो श्रद्धालु हुए रवाना

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असंध। यूपी में 26 फरवरी तक प्रयागराज महाकुंभ में चल रहे शाही स्नान मेले में भाग लेने के लिए दो बसों में नगर से सैंकडों श्रद्धालु बसों में जयकारे लगाते रवाना हुए। जिसमें महिला पुरुष व युवाओं में भारी उत्साह देखा गया। इस धार्मिक यात्रा में इसमें युवाओं ने भी बढ़कर भाग लिया। नगर के युवा समाज सेवी विशाल गोयल, अधिवक्ता गौरव अरोड़ा, ट्विंकल ठुकराल, विशाल जुनेजा ने कहा 144 वर्षो के बाद प्रयागराज संगम पर लगने वाला महाकुम्भ मेला व स्नान उनके जीवन का रोमांचक पल होगा। जब हम प्रयागराज में स्नान करके अपने आप को गौरवशाली महसूस करेंगे। उन्होंने कहा कि यह तीर्थ स्थान भारत के करोड़ो हिन्दुओं की सनातन संस्कृति का प्रतीक है।

प्रयागराज महाकुंभ के लिए रवाना होते युवा मंडल के सदस्य। (छाया: एसबी)

नितिन जुनेजा बादल छाबड़ा व योगेश ठुकराल ने कहा कि अपनी संस्कृति व संस्कारों को बचाने के लिए युवाओं को अपने तीर्थों की यात्राएं निरंतर करते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि कुंभ मेले का आयोजन गंगा, गोदावरी, शिप्रा और त्रिवेणी नदियों के किनारे होता है। कुंभ मेले की पौराणिक मान्यता सागर मंथन से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि पौराणिक मान्यताओं अनुसार आधुनिक इलाहाबाद में प्रयाग महाकुंभ हिंदुओं के लिए सबसे महत्वपूर्ण तीर्थस्थल माना जाता है। परंपरागत रूप से नदियों के संगम को शुभ स्थान माना जाता है, लेकिन संगम में स्नान का महत्व सबसे पवित्र है। क्योंकि यहां पवित्र गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती मिलकर एक हो जाती हैं। लोग यहां अपने पापों को धोने और किसी भी तरह की तपस्या से मुक्ति पाने के लिए आते हैं। ऐसा माना जाता है कि कुंभ के समय गंगा के पवित्र जल में स्नान करने से लोगों को उनके निरंतर कष्टों और दुखों से मुक्ति मिलती है। महान साधु संतों का आशीर्वाद मिलता है। इसके अलावा आध्यात्मिक शुद्धि मिलती है।

ट्रेवलिंग एजेंसी के संचालक यश गर्ग ने बताया दादा देवी राम ने तकरीबन 40 वर्ष पूर्व लोगों को तीर्थ यात्राएं करवाने के लिए बस सेवा शुरू की थी। आज उनके पिता सत्यनारायण गर्ग लोगों को भारत के विभिन्न तीर्थों यात्राएं करवाते आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि महाकुंभ की समाप्ति तक और भी बसें श्रद्धालुओं को लेकर प्रयागराज जाएंगी।

मिशन बुनियाद प्रवेश परीक्षा लेवल-2, बैच 2025 सफलतापूर्वक हुई सम्पन्न

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। हरियाणा प्रदेश में मिशन बुनियाद प्रवेश परीक्षा लेवल-2, बैच 2025 का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह परीक्षा केवल कक्षा 8 के छात्रों के लिए आयोजित की गई थी, जिसमें 19883 छात्रों ने भाग लिया है। परीक्षा के लिए प्रदेश में 65 से अधिक परीक्षा केंद्र बनाए गए। परीक्षा का रिपोर्टिंग समय सुबह 10:30 बजे निर्धारित था। परीक्षा 11:30 बजे से 1:30 बजे तक चली। दो घंटे की इस परीक्षा में छात्रों से गणित आधारित 50 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे गए। प्रत्येक प्रश्न चार अंकों का था, और कुल परीक्षा 200 अंकों की थी। परीक्षा में-1 की नकारात्मक अंकन प्रणाली (नेगटीव मार्किंग) को भी शामिल किया गया था। शिक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार, छात्रों ने इस परीक्षा में बडे उत्साह के साथ भाग लिया। परीक्षा में 95% की उपस्थिति दर्ज की गई। जो छात्रों और उनके अभिभावकों के सहयोग और जागरूकता को दर्शाता है।

इस परीक्षा में सफल होने वाले विद्यार्थियों को लेवल-3 के लिए चुना जाएगा। लेवल-3 में छात्रों से एक विषय आधारित (सब्जेक्टीव) पेपर लिया जाएगा। इसके बाद पूरे प्रदेश से चुने गए 3,000 छात्रों को 'मिशन बुनियाद' के अंतर्गत स्थापित 103 केंद्रों पर उनकी शिक्षा शुरू कराई जाएगी।मिशन बुनियाद के तहत इन केंद्रों में छात्रों को एक प्रतिस्पर्धात्मक माहौल प्रदान किया जाता है। जहां पर उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। इसके साथ सरकार द्वारा छात्रों को अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। इन केंद्रों को हरियाणा के प्रत्येक ब्लॉक में स्थापित किया गया है और इनकी कक्षाओं में डिजिटल टेक्नोलॉजी सहित पर्याप्त आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं।

मिशन बुनियाद का उद्देश्य प्रदेश के विद्यार्थियों की शैक्षणिक नींव को मजबूत करना और उन्हें राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना है। शिक्षा विभाग ने सभी परीक्षा केंद्रों पर सुचारु और पारदर्शी आयोजन सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रबंध किए थे। इस आयोजन में शामिल सभी छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों, और परीक्षा केंद्र प्रभारियों का विभाग द्वारा धन्यवाद व्यक्त किया गया है। बताया गया कि मिशन बुनियाद के तहत पढ़ रहे विद्यार्थियों का अगला कदम सुपर सौ की ओर होगा। जहां पर हरियाणा सरकार, शिक्षा विभाग व सुपर सौ डायरेक्टर नवीन मिश्रा, प्रदीप सेंसरवाल व उनकी टीम द्वारा विद्यार्थियों को मेडिकल, नॉन मेडिकल के तहत कक्षा 10+1 व 10+2 की स्कूली शिक्षा के साथ-साथ एमबीबीएस, आईआईटी एनडीए सहित विभिन्न राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी निशुल्क कुरूक्षेत्र कैम्प्स में करवाई जाती है। हरियाणा में भाजपा सरकार का निर्धन व मध्य वर्गीय परिवार के सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों के लिए यह एक बेहतरीन शिक्षा प्रणाली है। जिसका लाभ सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले गरीब व मध्य वर्गीय परिवार के विद्यार्थी उठा रहे हैं।

हरियाणा में यह शिक्षा प्रणाली 2017 में तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा शुरू की गई थी व वर्तमान मुख्यमंत्री हरियाणा नायब सिंह सैनी ने इसको जारी रखते हुए विद्यार्थियों के लिए और सुविधाएं प्रदान की जा रही है।

भौतिक शिक्षा के साथ-साथ नैतिक शिक्षा भी जरूरी: मैनपाल मान

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असंध। सरकारी स्कूलों में बच्चे अब अंग्रेजी मीडियम में पढ़ाई कर रहे है। राजकीय संस्कृति मॉडल प्राथमिक पाठशाला पीर वाले स्कूल में बच्चे फर्राटेदार अंग्रेजी बोलते हुए दिखाई दिए। अध्यापक अमरजीत सिंह व राजेंद्र द्वारा कक्षा तीसरी के छात्र नैतिक वर्मा से अंग्रेजी का पाठ पढ़वाया तो छात्र फर्राटेदार अंग्रेजी बोले। बच्चे इंग्लिश मीडियम में शिक्षा ग्रहण कर रहे है। स्कूल मुखिया मैनपाल मान ने बताया कि स्कूल करीब 600 बच्चे है। उन्होंने कहा कि हर महीने पीटीएम की बैठक ली जाती है। पीटीएम यानी अभिभावक-शिक्षक बैठक में अभिभावकों से फीडबैक लिया जाता है। इस फीडबैक से शिक्षकों को छात्र के प्रदर्शन के बारे में जानकारी मिलती है साथ ही अभिभावकों को भी अपने बच्चे की

सरकारी स्कूलों में भी बच्चे बोल रहे फर्राटेदार अंग्रेजी

प्रगति के बारे में जानकारी मिलती है। स्कूल मुखिया ने कहा कि पढ़ाई के साथ साथ क्लास रूम, प्रांगण के अलावा शौचालयों की सफाई की तरफ विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए भौतिक शिक्षा के साथ-साथ नैतिक शिक्षा की भी आवश्यकता है। नैतिक शिक्षा से ही व्यक्तित्व का चहुंमुखी विकास संभव है। मैनपाल मान ने कहा कि आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ नैतिक शिक्षा पर भी बल दिया जाता है। इस दौरान अध्यापक अमरजीत सिंह, राजेंद्र कुमार, मीनाक्षी शर्मा, नरेश कुमार सहित अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

भाजपा जिलाध्यक्ष वन्दना पोपली के नेतृत्व में अरविंद केजरीवाल के दुष्प्रचार के विरोध में किया पुतला दहन

एसबी संवाददाता

रेवाड़ी। भाजपा जिला रेवाड़ी के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और मंत्री आतिशी द्वारा हरियाणा के मुख्यमंत्री के खिलाफ कथित कुनिती और दुष्प्रचार के विरोध में शहर के मोती चौक, रेवाड़ी पर भाजपा जिला अध्यक्ष डा. वन्दना पोपली के नेतृत्व में जोरदार धरना-प्रदर्शन किया और पुतला दहन किया। जिला अध्यक्ष डा. वन्दना पोपली ने धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कहा, दुष्प्रचार और झूठे आरोपों के जरिए राजनीति का स्तर गिराने का प्रयास निंदनीय है। भाजपा इसे बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करेगी और हरियाणा की छवि को खराब करने की किसी भी कोशिश का विरोध करेगी।

जिला अध्यक्ष ने बताया कि आम आदमी पार्टी के अरविन्द केजरीवाल चुनाव जीतने के लिए इतनी औछी हरकत पर उतर आए है कि उन्होने दुष्प्रचार तक करना शुरू कर दिया है। उन्होने सिर्फ लोगों में मुफ्त की रेवड़िया बांटकर वोट बटोरने का कार्य किया है। उन्होने कहा कि केजरीवाल जी आज तक यमुना की ही सफाई नहीं करवा पाए।

अरविंद केजरीवाल जब कोई काम नहीं करवा पाए तो उसका ठीकड़ा पड़ोसी राज्यों पर और भारतीय जनता पार्टी पर फोड़ देते हैं जिन वादों को लेकर सरकार बनाई थी आज उन्हीं वादों को पूरा करने में नाकाम होने के कारण बौखला चुके हैं और अनर्गल बयान दे रहे हैं अरविंद केजरीवाल तथा आतिशी द्वारा यह कहना कि हरियाणा ने यमुना के जल में जहर घोल दिया है यह उनकी निराशा की पराकाष्ठा लगता है हरियाणा वासी तो दूध में भी पानी नहीं मिलाते यहां तो पानी में जहर मिलाने की बात कहते हुए उनको शर्म आनी चाहिए कि वह अपने आप को हरियाणा का बेटा कहते हैं लेकिन समय आने पर उन्होंने हरियाणा वासियों की पीठ में छुरा घोंपने का काम किया है।

इस अवसर पर बाबू वीरकुमार यादव, रत्नेश बंसल, हिमांशु पालीवाल, श्यामसुंदर चुघ, नीतू चौधरी, रामपाल यादव, बलजीत यादव, प्रमोद शास्त्री, सुनील ग्रोवर, जतिन अरनेजा, सौरभ यादव, कुलदीप चौहान, प्रवीण शर्मा, धीरज यादव, गौरव शर्मा, अमित यादव, सावन सैनी, विपिन अग्रवाल, रोहताश बाल्मीकि, सुभाषचंद्र खोल, अनूप धनकड़, अजित कोसलिया, नरेश सरपंच, दिनेश यादव नम्बरदार, धर्मेंद्र यादव, प्रदीप बवा, परविंदर किराड़, सतीश बुडाना, एडवोकेट नरेश यादव, दलीप शास्त्री, नेहा शर्मा, राजेन्द्र सिंगल, अनिल अरनेजा, देवराज, जितेंद्र बाल्मीकि, सविता बेरली, रूपेश जैनाबाद, श्याम सिंह, कविता गुप्ता, जयमाला कौशिक, रुचिका नागपाल, नीरू भारद्वाज, पूनम बावल, संजय बड़गुर्जर इत्यादि सेकड़ो की संख्या मे धरना प्रदर्शन मैं हिस्सा लिया।

कुलपति ने मीडिया विद्यार्थियों द्वारा तैयार 'संचार' के नए संस्करण का किया विमोचन

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजेश कुमार

चंडीगढ़। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के कुलपति प्रो. एस.के. तोमर ने संचार एवं तकनीकी विभाग द्वारा संचालित 'संचार' समाचार पत्र के नये संस्करण का विमोचन किया। कुलपति तोमर ने मीडिया विद्यार्थियों की सृजन एवं पत्र के प्रारूप की प्रशंसा करते हुए कहा भविष्य में इस लेखन प्रक्रिया को विश्व श्रेणी में शामिल करना चाहिए। उन्होंने बताया कि मीडिया बहुत प्रभावशाली माध्यम है इसकी प्रत्येक क्रिया-प्रतिक्रिया ब्रह्मांड में स्पष्ट रूप से नजर आनी चाहिए है। समाचार पत्र को डिजिटल फॉर्म में भी सोशल मीडिया के सभी प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराकर अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना हमारा उद्देश्य होना चाहिए। इस अवसर पर संचार एवं तकनीकी विभागाध्यक्ष डॉ. पवन सिंह, वरिष्ठ प्रशिक्षक दुष्यंत त्यागी भी उपस्थित थे।

रिमोट सेंसिंग एवं जीआईएस का कृषि विकास में महत्वपूर्ण योगदान: प्रोफेसर बी. आर. कांबोज

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत विस्तार शिक्षा संस्थान नीलोखेड़ी में कृषि विकास में रिमोट सेंसिंग एवं जीआईएस की भूमिका विषय पर चल रहे चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज उद्घाटन हुआ। उद्घाटन सत्र में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रोफेसर बी. आर. कांबोज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की।

प्रोफेसर बी. आर. कांबोज ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि रिमोट सेंसिंग और जीआईएस से मिलने वाले डेटा से किसानों को फसल उपज का अनुमान लगाने और बेहतर फसल उगाने में मदद मिलती है। इसके साथ-साथ रिमोट

सेंसिंग की मदद से बड़े क्षेत्र में बीमारियों और कीटों की जानकारी भी किसान प्राप्त कर सकते हैं जिससे संभावित संक्रमित क्षेत्रों का पता लगाया जा सकता है। इन तकनीकों के माध्यम से मिट्टी की गुणवत्ता का भी पता लगाया जा सकता है और निर्धारित किया जा सकता है किस क्षेत्र में कौन सी फसल उगाई जा सकती है। जीआईएस के माध्यम से जल संसाधनों के मानचित्र और विश्लेषण में मदद मिलती है और सिंचाई तकनीकों में सुधार किया जा सकता है। पशुओं के स्वास्थ्य निगरानी में भी ये तकनीक लाभकारी हैं। उन्होंने कहा कि विस्तार अधिकारियों को इन तकनीकों को अपनाकर किसानों की आय बढ़ाने में योगदान करना चाहिए। उन्होंने विस्तार अधिकारियों से इन तकनीकों का प्रयोग करने का आह्वान किया।

विस्तार शिक्षा निदेशक डा. बलवान सिंह मंडल ने मुख्यातिथि का विस्तार शिक्षा संस्थान पहुंचने पर स्वागत किया। उन्होंने बताया कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रोफेसर बी. आर. कांबोज के नेतृत्व में विस्तार शिक्षा संस्थान नीलोखेड़ी उत्तर भारत के राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के कृषि, उद्यान, पशुपालन, मत्स्य पालन, वानिकी, महिला एवं बाल विकास इत्यादि विभागों के विस्तार अधिकारियों को प्रशिक्षण देने का काम कर रहा है। इस दौरान विस्तार शिक्षा संस्थान नीलोखेड़ी के क्षेत्रीय निदेशक डा. संजय कुमार ने वाइस चांसलर प्रोफेसर बी. आर. कांबोज का धन्यवाद किया। उन्होंने मुख्य अतिथि को संस्थान की कार्यप्रणाली के बारे में अवगत भी करवाया। डॉ. कुमार ने विस्तार शिक्षा निदेशक डा. बलवान सिंह मंडल एवं प्रतिभागियों का संस्थान पहुंचने पर स्वागत एवं आभार व्यक्त किया।

प्रशिक्षण संयोजक डॉ. सत्यकाम मलिक ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश एंव जम्मू-कश्मीर, बिहार एवं झारखंड के विस्तार अधिकारियों ने हिस्सा लिया है। इस दौरान डा. जसविंद्र कौर ने मंच संचालन किया। कार्यक्रम के दौरान डा. भरत सिंह घनघस, डॉ. अनिल कुमार रोहिला एवं डा. अजय कुमार सहित संस्थान के सभी कर्मचारी एवं प्रतिभागी मौजूद रहे।